राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष–25 | अंक–04 | अक्टूबर, 2024 | कुल पृष्ठ–32 | मूल्य–₹ 15

बांसवाड़ा में आयोजित 5वें राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव के उद्घाटन पर माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे पौधारोवण करते हुए साथ में हैं प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

चित्रमय झलकियाँ

5वें राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे का तिलक कर स्वागत करती हुई गाइड, साथ में हैं जनजाति मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी एवं संगठन के राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य

झुंझुनूं में आयोजित राजकीय प्रदर्शनी अवलोकन के दौरान स्काउट स्टॉल में भारत के उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ फोटो खिचवाते हुए, साथ में हैं हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर (बाएं) एवं डॉ. सुदेश धनखड़ (दाएं)

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 25 अंक : 04
अक्टूबर, 2024

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

आशीष मोदी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.(से.नि.)
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
टीकम चंद बोहरा, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
डॉ. अखिल शुक्ला

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित वर्मा

सम्पादक
डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक
नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
• दिशाबोध	4
• संपादकीय	4
• राज्य मुख्यायुक्त की जोधपुर विज़िट	5
• राज्य परिषद का 74वाँ वार्षिक अधिवेशन	6
• राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव	8
• एक आदर्श स्काउट ग्रुप	10
• क्लाइमेट लीडर कार्यशाला	11
• नशा-मुक्ति कार्यशाला	12
• 13वाँ राज्य स्तरीय एडवेंचर शिविर : एक अविस्मरणीय यात्रा	13
• गतिविधि दर्पण	15
रीजनल मिनी जंबूरी	23
• हमारे महापुरुष : होमी जहाँगीर भाभा	24
• हमारा स्वास्थ्य : ध्यान से साधें भावनाओं की डोर!	26
• पर्यटन स्थल : जंतर मंतर	27
• दक्षता पदक	29
• गतिविधि पञ्चांग	30

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क : 100/- संस्थागत शुल्क : 150/-	1200/-
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं। यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

संगठन का विस्तार और संख्यात्मक वृद्धि

हम सभी को इस बात का गर्व है कि सारे विश्व को एक सूत्र में पिरौने हेतु संस्कारित करने व सुनागरिकता की दिशा देने में अपनी महती भूमिका का निर्वाह कर रहे स्काउट आन्दोलन का हम भी एक हिस्सा हैं। स्काउटिंग समभाव, साहचर्य एवं सेवा के जीवनोपयोगी आयामों से संस्कारित करने में अग्रणी संगठन है। बालकों को ज्ञान, कौशल व संस्कार प्रदान करने हेतु विश्व व्यापी मंच स्काउटिंग की ही देन है। समस्त राष्ट्र की मानव जाति को भावनात्मक एकता के सूत्र में पिरौने में स्काउटिंग की अहम् भूमिका है।

स्काउट आन्दोलन का मूल स्वरूप राष्ट्रीय ही नहीं विश्व भ्रातृत्व का है। यही कारण है कि स्काउटिंग समय–समय पर राष्ट्रीय अखण्डता के साथ स्वात्मानुशासन, भ्रातृत्व व सद्भावना की ज्योत जलाने एवं चेतना पैदा करने के उद्देश्य से अपनी इकाइयों एवं क्षेत्रीय संगठनों के बैनर तले विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित करती है।

गत माह राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड द्वारा बांसवाड़ा में आयोजित 5वें राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव में प्रदेश के राज्यपाल श्री हरिभाऊ जी बागडे ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और आयोजन की सराहना की...आपका अन्तर्मन से आभार।

आईये ! हम स्काउट–गाइड आन्दोलन के प्रचार–प्रसार हेतु अपनी प्रतिबद्धता स्वीकार करते हुए जन–जन को इस संगठन से मनसा, वाचा व कर्मणा से जोड़े ताकि स्काउटिंग से संस्कारित हुए नागरिक राष्ट्र के सबल प्रहरी बन सकें। भारत जनसंख्या की दृष्टि से विश्व में दूसरा स्थान रखता है। इसी अनुरूप हमें स्काउट गाइड की संख्यात्मक वृद्धि की ओर ध्यान देना है, ताकि इस सेवाभावी संगठन का विस्तार हो एवं सुसंस्कारित मानव श्रृंखला में अभिवृद्धि हो।

सभी को दीपावली महापर्व की हार्दिक शुभकामनाएं....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

गत माह प्रदेश स्काउट गाइड संगठन के 2 बड़े आयाम सफलता के साथ पूर्ण किए। एक तो उदयपुर में मेवाड़ी आन–बान–शान के साथ राज्य परिषद का अधिवेशन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वर्ष पर्यन्त की गई गतिविधियों, कार्यक्रमों इत्यादि का सिंहावलोकन किया गया और साथ में नये लक्ष्यों...नये आयामों का निर्धारण हुआ, जिसे हम सभी को समन्वित प्रयासों से पूर्ण करना है।

वहीं दूसरा बड़ा आयाम बांसवाड़ा में राज्य स्तरीय जनजाति महोत्सव के सफलता पूर्वक आयोजन के साथ पूर्ण हुआ। जनजाति महोत्सव के आयोजन का मूल उद्देश्य प्रदेश के अलग–अलग जिलों के दूरदराज ग्रामीण एवं वनक्षेत्रों में रहने वाले जनजाति स्काउट गाइड को एक मंच पर एकत्रित कर उनकी परंपराओं, सभ्यता व संस्कृति से एक–दूसरे को रूबरू कराया जा सके एवं इन छिपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने का अवसर मिले। ऐसे शिविर के माध्यम से सभी संभागियों को एक दूसरे की वेशभूषा, लोक कला आदि को जानने का अवसर प्रदान करना ही हमारा ध्येय रहा है। आज भी अधिकांश जनजाति बच्चे प्रकृति के बीच व वनों में रह रहे हैं, इन्हें प्रकृति का अधिक ज्ञान होता है और इस खासियत को इन्हें बनाये रखना चाहिए।

माननीय राज्यपाल महोदय ने जनजाति महोत्सव के उद्घाटन पर मुख्य अतिथि के रूप में कहा कि स्काउटिंग में बालक बालिकाओं को विविधता में एकता, ग्रामीण परिवेश का प्रदर्शन, जनजाति क्षेत्र में आदिवासी परंम्परा को गतिविधियों के माध्यम से विकसित करने का अवसर मिल रहा है। साथ ही बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं, स्वच्छता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी स्काउट गाइड द्वारा अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है। माननीय राज्यपाल महोदय के ये उद्गार हमारे कार्यों की सफलता का द्योतक हैं।

संगठन के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

राज्य मुख्यायुक्त की जोधपुर विज़िट

''स्काउट एवं गाइड देश ही नहीं दुनिया में अपनी सेवा तथा अनुशासन के लिए जाना जाता है। सामुदायिक कार्य हो या सेवा कार्य, स्काउट गाइड के स्वयंसेवक सदैव तत्पर रहते हैं। सेवा और अनुशासन उनका धर्म है।'' राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने 10 सितम्बर को अपने जोधपुर प्रवास पर रोवर रेंजर प्रशिक्षणार्थियों और जिला मुख्यालय के पदाधिकारियो को संबोधित करते हुए ये उद्‌गार प्रकट किए। श्री आर्य ने जिला मुख्यालय जोधपुर का निरीक्षण किया तथा हाल ही भूमाफिया द्वारा स्काउट गाइड परिसंपत्तियों पर तथाकथित स्वामित्व के उनके दावे की दस्तावेजीय जानकारी ली। उन्होंने सरकार को युक्ति युक्त सूचनाएं उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। कार्यालय प्रभारी सी.ओ. छतर सिंह पीडियार ने स्टेट चीफ कमिश्नर को जिला

कलक्टर के साथ दो दिन पूर्व की वार्ता तथा उसे पूर्ववर्ती समस्त दस्तावेजों की जानकारी दी तथा मंडल मुख्यालय से जिला मुख्यालय तक के स्वामित्व अधिकार के नैसर्गिक न्याय की अवधारणा को सिलसिलेवार स्पष्ट किया।

सी.ओ. गाइड निशु कंवर ने बताया कि श्री आर्य द्वारा जिला मुख्यालय व परिक्षेत्र में स्काउट गाइड द्वारा की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली, साथ ही मुख्यालय पर चल रहे शिविर का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर जिला प्रधान हनुमान सिंह खांगटा ने आर्य साहब का स्कार्फ पहना कर अभिनंदन किया। जिला सचिव डॉ. बी. एल. जाखड़ ने अपने उद्‌बोधन में स्टेट चीफ कमिश्नर के रूप में निरंजन आर्य की स्काउट गाइड सेवाओं तथा राष्ट्रीय जंबूरी के सफल आयोजन की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। मंडल उप प्रधान दशरथ सोलंकी द्वारा मंडल में होने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। सी.ओ. स्काउट छतर सिंह ने मुख्यालय पर आयोजित राज्य पुरस्कार शिविर का निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

श्री आर्य ने बताया कि भारत स्काउट व गाइड एक अंतरराष्ट्रीय मूवमेंट है जो पिछले 117 वर्षों से विभिन्न प्रकार के सेवा कार्य करते हुए पूरे भारत में ही नहीं अपितु विश्व में अपना एक परचम फहरा रहा है। इस तरह के सेवाभावी संगठन को सहयोग करने के लिए व इसके कार्य को आगे बढ़ाने के लिए नगरवासियों से सहयोग की अपेक्षा और अपील भी की। इस अवसर पर शकुंतला पांडे, प्रकाश शर्मा, चंद्रकांता, जयश्री द्वारा निष्पादित किए गए सेवा कार्यों की विशेष प्रशंसा की गई।

राज्य परिषद का 74वाँ वार्षिक अधिवेशन

दिनांक : 19 सितम्बर, 2024

स्थान : महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स राज्य परिषद का 74वाँ वार्षिक अधिवेशन 19 सितम्बर, 2024 को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर में राज्य संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. रूपराज भारद्वाज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। अधिवेशन में उपाध्यक्ष श्री अक्षय त्रिपाठी, राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य सहित 81 सदस्यों की उपस्थिति रही।

श्री निरंजन आर्य का स्वागत करते हुए उदयपुर के पदाधिकारी

माननीय अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से प्रार्थना के साथ अधिवेशन की कार्यवाही का शुभारम्भ हुआ। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने सभी मंचासीन पदाधिकारियों एवं समस्त सदस्यों का स्वागत करते हुए माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री, माननीय शिक्षा मंत्री एवं चीफ नेशनल कमिश्नर से प्राप्त शुभकामना संदेशों का पठन किया। राज्य सचिव डॉ. पी.सी.जैन ने 30 सितम्बर, 2023 को आयोजित हुए राज्य परिषद के 73वें वार्षिक अधिवेशन का कार्यवृत, जो पूर्व में सभी सदस्यों को पत्र, ई–मेल व वेबसाइट के माध्यम से प्रेषित किया जा चुका था, पुष्टि हेतु प्रस्तुत किया, जिसकी सदन द्वारा पुष्टि की गई।

राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) पूरणसिंह शेखावत ने गत अधिवेशन के कार्यवृत का अनुपालना प्रतिवेदन सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकृति प्रदान की गई। संगठन द्वारा सत्र 2023–24 में सम्पन्न विभिन्न गतिविधियों एवं उपलब्धियों का वार्षिक प्रतिवेदन सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन द्वारा वित्तीय वर्ष 2023–24 के सी.ए. द्वारा अंकेक्षित लेखा प्रतिवेदन एवं ऑडिट रिपोर्ट, वित्तीय वर्ष 2024–25 का बजट तथा वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए राज्य परिषद के आगामी अधिवेशन तक अनुमानित बजट को ऑपरेट करने का अधिकार माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय को दिए जाने का प्रस्ताव सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसे स्वीकृति प्रदान की गई ।सदन के समक्ष स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई, जिसे सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई।

वर्ष 2024–25 के लिए स्टेट एसोसिएशन के लेखों के अंकेक्षण हेतु मै. विजय दिनेश एण्ड कम्पनी चार्टेड एकाउन्टेंट्स, जयपुर को अंकेक्षक नियुक्त करने के प्रस्ताव को सदन द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई। उनके द्वारा राज्य मुख्यालय, इक्यूपमेंट स्टोर, एन.जी.सी., आवासीय विद्यालय आदि के लेखों का अंकेक्षण भी किया जावेगा।

राज्य प्रशिक्षण आयुक्त (स्काउट) बन्नालाल द्वारा गत सत्र में घोषित विभिन्न अलंकार–पुरस्कारों तथा गत

सत्र में लीडर ट्रेनर योग्यता प्राप्त लीडर्स की सूचना सदन के समक्ष प्रस्तुत की गई एवं स्थानीय संघ सम्मान पत्र, लीडर ट्रेनर ऑनरेबल चार्ज एवं बीड्स तथा स्मृति चिन्ह भी प्रदान किए गए। सत्र 2022–23 के अलंकार–पुरस्कार भी वितरित किए गए।

अध्यक्ष महोदय की स्वीकृति से डॉ. बंशीधर शर्मा एवं लाजपत राय कुमावत, लीडर ट्रेनर द्वारा प्रेषित प्रस्ताव राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) द्वारा सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। प्रस्तावानुसार ट्रेनर्स मीट एवं अन्य शिविरों में सम्मिलित होने वाले सेवानिवृत लीडर ट्रेनर्स को यात्रा भत्ता आदि का भुगतान राज्य मुख्यालय द्वारा किया जावे। इस पर विचार एवं निर्णय लेने हेतु स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय को अधिकृत किया गया।

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने अपने उद्बोधन में परिषद सदस्यों का स्वागत करते हुए बैठक में अल्प उपस्थिति को आगामी बैठक में पूर्ण करने का प्रयास करने हेतु निर्देश दिए। उन्होने कहा कि संगठन के समक्ष अनेक चुनौतियाँ आ रही हैं, इन चुनौतियों का सामना कर संगठन को आगे बढ़ाना है। उन्होंने यह भी कहा कि सम्पूर्ण विश्व में 1.5 करोड़ की संख्या में से हम 17 लाख हैं, जो चिन्तन का विषय है। हमें अन्य राष्ट्रों की तुलना कर प्रदेश को आगे बढ़ाना होगा, जो कि सामुहिक सोच एवं प्रयास से ही संभव है। हमें देखना होगा कि संख्या के आधार पर ग्रुपों की सक्रियता की क्या स्थिति है, निष्क्रिय ग्रुपों को सक्रिय करना एक बड़ी चुनौती है। इसी प्रकार गुणात्मक प्रगति की ओर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय द्वारा उपस्थिति परिषद सदस्यों से सुझाव आमंत्रित किए गए।

- श्री इन्द्रलाल आमेटा, लीडर ट्रेनर ने सुझाव दिया गया कि जिलों पर जिला सचिव के रूप में सर्कल ऑर्गेनाइजर के स्थान पर अन्य व्यक्ति को नियुक्ति प्रदान की जावे।
- श्री प्रमोद कुमार शर्मा ने लीडर ट्रेनर्स के लिए 2 दिवस का अनुसंधान शिविर करने का सुझाव दिया।
- श्री लाजपतराय कुमावत ने कहा कि अधिवेशन जिलों पर आयोजित होने लगे हैं तो समस्याओं का चिन्तन करने का वृहद अवसर प्राप्त होता है।
- श्री बी.एल.जाखड, जिला सचिव जोधपुर ने सुझाव दिया कि स्काउट गाइड प्रमाण पत्रों की अंक भारिता पूर्ण रूप से प्राप्त करने का प्रयास किया जावे। विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में शुल्क को बढ़ाने, बी. एड. कोर्स में 7 दिवस का प्रशिक्षण शिविर रखने तथा ग्रुप पंजीकरण एवं नियुक्ति पत्र प्रक्रिया को ऑन लाइन करने का सुझाव दिया।
- श्री रघुवीर सिंह शेखावत द्वारा सुझाव दिया गया कि स्काउट गाइड शिविरों में प्रशिक्षण, परीक्षण, अनुसंधान आदि में वॉलन्टियर्स के रूप में सेवाएँ ली जावें।
- श्री प्रताप सोनी, सचिव स्थानीय संघ, चौंमू द्वारा सुझाव दिया गया कि संस्था प्रधानों की सेमीनार आयोजित की जावे तथा ग्रुप पंजीकरण के पश्चात् नियुक्ति पत्र शीघ्र जारी किया जावे।
- श्रीमती नूतनबाला कपिला, सहायक स्टेट कमिश्नर (गाइड) ने सुझाव दिया गया कि प्रशिक्षणार्थी का रिकार्ड संधारण किया जावे तथा उनकी सेवाएँ हैण्ड आउट एवं साहित्य तैयार करने में ली जावें।

अध्यक्षीय उद्बोधन में संगठन के उपाध्यक्ष डॉ. रूपराज भारद्वाज ने सर्वप्रथम सभी का स्वागत व अभिनन्दन किया तथा प्राप्त सुझावों पर स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय द्वारा विचार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि संगठन के वरिष्ठ व्यक्तियों की सलाहकार समिति का गठन किया जावे, जो संगठन के विकास–विस्तार में अपना योगदान प्रदान करें। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय स्तर पर संगठन में प्रवेश आशानुरूप नहीं है, जिसे बढ़ाने का प्रयास किया जावे। अधिवेशन की व्यवस्थाओं हेतु आभार व्यक्त किया।

राज्य संगठन उपाध्यक्ष श्री अक्षय त्रिपाठी ने उपस्थित सभी सम्मानित सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए संगठन के विकास–विस्तार में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले महानुभावों के साथ ही राज्य सरकार, शिक्षा विभाग, पर्यावरण विभाग, जिला प्रशासन, प्रेस–मीडिया, भामाशाहों आदि का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि माननीय स्टेट चीफ कमिश्नर महोदय द्वारा रोहट–पाली में जो इतिहास बनाया गया, वो आप सभी के सहयोग से हुआ है।

राष्ट्रगान के साथ राज्य परिषद की कार्यवाही सम्पन्न की गई।

राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के वार्षिक कार्यक्रमानुसार प्रतिवर्ष की भांति जनजाति जिलें उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौडगढ़, प्रतापगढ़, राजसंमद, सिरोही, पाली व बांरा के स्काउट्स गाइड्स के लिए 19 से 23 सितम्बर 2024 तक एकलव्य जनजाति खेल छात्रावास, लोधा, बांसवाड़ा पर 5वां राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव शिविर आयोजित किया गया। प्रदेश के जनजाति के 09 जिलों के चयनित स्काउट्स गाइड्स व रोवर, रेंजर व लीडर्स ने भाग लेकर अपने–अपने क्षेत्र की जनजाति क्षेत्र की सांस्कृतिक परम्पराओं एवं गतिविधियों का आदान प्रदान किया।

राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव कार्यक्रम में 19 सितम्बर को प्रात :09.00 बजे से पंजीकरण प्रारम्भ हुआ। प्रातः 10.00 बजे स्काउटर गाइडर मीटिंग का आयोजन कर जनजाति महोत्सव शिविर की आवश्यक सूचना एवं निर्देश प्रदान किये गए। प्रातः 11.00 बजे ध्वजारोहण के साथ जनजाति महोत्सव शिविर शुभारम्भ किया तथा उद्घाटन समारोह का पूर्वाभ्यास किया गया।

रात्रि मे जिला प्रशासन के द्वारा सहरिया जनजाति लोक नृत्य का भव्य आयोजन करवाया गया। इसके उपरान्त जनजाति जिलावार लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सभी जिलो से सहभागिता की गई। कार्यक्रम का संचालन श्री एल.आर शर्मा सी.ओ. स्काउट जयपुर ने किया।

दूसरे दिन 20 सितम्बर को प्रातःकाल प्रभात फेरी के साथ जागरण पश्चात प्रार्थना एवं बी.पी सिक्स द्वारा व्यायाम प्रदर्शन किया गया। सम्भागियों द्वारा शिविर केन्द्र पर सेवा कार्य में श्रमदान कर सफाई की गई। प्रातः 08.30 बजे शिविर निरीक्षण किया गया। ध्वजारोहण कार्यक्रम के उपरान्त उद्घाटन समारोह का पूर्वाभ्यास करवाया गया।

उद्घाटन समारोह

दोपहर 3.00 बजे राजस्थान के राज्यपाल माननीय श्री हरिभाऊ बागडे के मुख्य आतिथ्य में उद्घाटन समारोह का आगाज हुआ। समारोह की अध्यक्षता जनजाति मंत्री राजस्थान सरकार श्री बाबूलाल खराड़ी ने की तथा विशिष्ट अतिथि राज्य मुख्य आयुक्त, राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड श्री निरंजन आर्य, आयुक्त जनजाति कल्याण एवं संभागीय आयुक्त, बांसवाड़ा कुमारी प्रज्ञा केवलरमानी, महानिरीक्षक पुलिस बांसवाड़ा श्रीमती एस. परिमला की गरिमामयी उपस्थिति रही। जिला बांसवाड़ा के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माननीय मुख्य अतिथियों एवं जिला स्तरीय समस्त अधिकारियों का बधावा, गार्ड ऑफ ऑनर, जनरल सैल्यूट के द्वारा स्वागत किया गया।

माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि स्काउटिंग में स्काउट गाइड आरंभ से ही स्वयं सेवक के रूप में समय–समय पर राज्य सरकार एवं भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को आम जनता तक पहुचाने में अहम योगदान दे रहे हैं। स्काउट चुनौतियों का सामना करने जीवन में निरन्तर आगे बढने को तैयार रहते है। स्काउट आपदा प्रबंधन (डेंजर कॉल) के समय भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर निःस्वार्थ सेवा देते है। स्काउटिंग में बालकों को विविधता में एकता, ग्रामीण परिवेश का प्रदर्शन, जनजाति क्षेत्र में आदिवासी परंम्परा को गतिविधियों के माध्यम से विकसित कर रहे है। साथ ही बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं, स्वच्छता कार्यक्रम, पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी स्काउट गाइड द्वारा अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है।

राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन

आर्य द्वारा स्वागत उद्बोधन में बताया कि राजस्थान में 60 वर्ष उपरान्त भव्य राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन किया गया। स्काउट का आदर्श वाक्य (मोटो) तैयार है, स्काउट विपरीत परिस्थितियों में तैयार रहता है, आपदा प्रबंधन, चुनाव वॉलन्टियर्स, राष्ट्रीय एकता में अपनी यथा शक्ति भागीदारी करता है। कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का स्काउट परंम्परा के अनुसार स्कार्फ एवं स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया।

कुमारी प्रज्ञा केवलरमानी ने जनजाति क्षेत्र के जिलों के लिए इस प्रकार का आयोजन को महत्वपूर्ण बताया।

जनजाति मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी ने अपने उद्बोधन में बताया कि जनजाति क्षेत्र के 09 जिलों से सहभागिता कर रहे स्काउट व गाइड द्वारा सांस्कृतिक धरोहर, हमारे संस्कार, भारत की खूबसूरती, लोकतंत्र का महापर्व, आपदा प्रर्दशन, समाज सेवा में सराहनीय कार्य किए जा रहें हैं। स्काउटिंग से बालक में अनुशासन विकसित होता है, जनजाति जिलों में ऐसे आयोजन लुप्त हो रही प्रथा को पुनर्जीवित कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान बारां जिले से सहरिया नृत्य (स्वांग) का प्रदर्शन किया गया। सामूहिक नृत्य में सभी 09 जिलों के स्काउट गाइड द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। आपदा प्रबंधन का सामूहिक प्रदर्शन किया गया।

जिला कलक्टर डॉ इन्द्रजीत यादव द्वारा आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री पूरण सिंह शेखावत, सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) श्री विनोद दत्त जोशी द्वारा किया गया। रात्रि में लोकगीत, वाद्य यन्त्र प्रतियोगिता का जिलेवार आयोजन किया गया। एथेनिक फेशन शो का आयोजन हुआ, जिसमें जनजाति स्काउट गाइड ने अपने क्षेत्र की वेशभूषा धारण कर केटवॉक किया।

तीसरे दिन 21 सितम्बर को विभिन्न प्रतियोगिताएं जैसे निबन्ध, पोस्टर, आशु भाषण इत्यादि का आयोजन हुआ। तत्पश्चात साहसिक गतिविधियों का शुभारम्भ हुआ जिसका उद्घाटन जिला कलक्टर डूंगरपुर श्री अंकित कुमार सिंह, जिला कलक्टर बांसवाड़ा डॉ इन्द्रजीत यादव, जिला पुलिस अधीक्षक बांसवाड़ा श्री हर्षवर्धन अग्रवाला एवं अति.जिला कलक्टर, बांसवाड़ा श्री अभिषेक गोयल द्वारा किया गया। स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव एवं सहभागियों के लिए 18 प्रकार की गतिविधियां जैसे – एयर गन, बास्केट बॉल, मंकी क्रोल, शेर के मुंह में गेन्द डालना, रिंग फंसाना, कमाण्डो क्रोलिंग, तीरंदाजी, चकरी, रस्सी कूद, बोरी दौड़, बाल्टी में सिक्का डालना, डब्बे गिराना, आंख बंद कर तिलक लगाना, पेड़ पर चढ़ना, टचिंग पाइन्ट, होरिजेन्टल बार, मेढ़क कूद इत्यादि का आयोजन किया गया। इस दौरान अतिथियों द्वारा शिविर टेन्ट्स का निरीक्षण कर एडवेंचर गतिविधियों का भी अवलोकन किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में लुप्त हो रहे परम्परागत खेलों (गुलाम ढण्डा, कोर्डा, गिल्ली डन्डा, मालदड़ा, सितोलियां, राउन्डर बिल्ला आदी) को जीवनदान देने के लिए जनजाति स्काउट गाइड सहभागियों द्वारा इन खेलों का आयोजन किया गया। इसके साथ ही निबन्ध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, स्किल–ओ–रामा, फूड प्लाजा में विभिन्न क्षेत्रों से आए सम्भागियों ने अपने क्षेत्र विशेष के व्यंजनों के स्वाद का आदान प्रदान किया।

कैम्प फायर के दौरान लोक गीत व लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें जिलेवार मनमोहक प्रस्तुतियां दी गयी। कैम्प फायर में अति.जिला

शेष पृष्ठ सं. 22 पर

स्काउट की कलम से

एक आदर्श स्काउट ग्रुप

'गुड शेफर्ड स्कूल'

प्रेम गंभीर
रोवर लीडर
राजस्थान ओपन रोवर क्रू,
श्री गंगानगर (राज)

मेरे मन में काफी समय से एक विचार चल रहा था कि स्काउटिंग का एक आदर्श स्काउट दल कैसा होना चाहिए? मेरी पूरे राज्य के अनुभवी स्काउटर–गाइडर व स्काउट अधिकारियों से भी समय–समय पर इस विषय में बातचीत होती रहती थी। सब तरफ नजर दौड़ने पर जब मैंने गुड शेपर्ड पब्लिक स्कूल श्रीगंगानगर की स्काउट गतिविधियों पर गहनता से नजर डाली तो मुझे यहां दूसरों से बहुत कुछ अलग नजर आया। यह दल मेरी नजर में एक आदर्श स्काउट दल की कसौटी पर खरा उतरता है।

इस विद्यालय की स्थापना बीएसएफ के रिटायर कमांडेंट श्री मनजीत चिमनी के निर्देशन में की गई थी। चिमनी साहब की स्काउटिंग में पहले से ही गहरी रुचि थी। उन्होंने अपने विद्यालय में एक योग्य व वरिष्ठ स्काउट मास्टर श्री शशि कुमार शर्मा एएलटी (स्काउट) को सेवानिवृत होने पर पूर्णकालिक स्काउट मास्टर के रूप में नियुक्त किया। जिन्होंने अपने स्काउटिंग के संपूर्ण अनुभव व ज्ञान को बच्चों में उड़ेलने का प्रयास किया। इस ग्रुप को देखकर उनका यह प्रयास काफी हद तक सफल नजर आता है। इस विद्यालय में टाइम टेबल के अनुसार प्रतिदिन स्काउटिंग की कक्षाएं लगाई जाती है। कक्षाएं प्रतिदिन क्रमशः स्काउटिंग के प्रशिक्षण के लिए स्काउट क्लब रूम में आती हैं। स्काउटिंग के नियमित पाठ्यक्रम के अतिरिक्त जोटा–जोटी, मैसेंजर ऑफ पीस, फ्री बीइंग मी, वर्ल्ड पीस डे, अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, लक्ष्मी मजूमदार अवार्ड, प्रधानमंत्री शील्ड प्रतियोगिता, इको क्लब, सर्फ स्मार्ट 2.0 आदि कार्यक्रम व्यापक स्तर पर व निरंतर रूप से किए जाते हैं। जिससे स्काउट–गाइड का सामाजिक सरोकारों व बाहरी दुनिया से जुड़ाव बना रहता है। यहां रैली कॉल, ग्रुप मीटिंग, पैट्रोल इन काउंसिल, कोर्ट ऑफ ऑनर मीटिंग, पाठ्यक्रम प्रशिक्षण आदि गतिविधियां निरंतर आयोजित की जाती हैं। समय–समय पर अतिथियों को आमंत्रित कर संबंधित विषयों की वार्ताएं कराई जाती हैं। हमें गर्व है कि यह स्कूल छात्रों को जो सिखाने का वादा करता है उसे अपनी संपूर्ण शक्ति से उत्कृष्टता की ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। यहां छात्रों में स्काउटिंग के सिद्धांतों के अनुरूप स्वतंत्रता, साहस, नेतृत्व, सामूहिक दायित्व की भावना, बंधुत्व, समर्पण व देशभक्ति की भावना को विकसित किया जाता है। विद्यालय का क्लब रूम स्काउट कला को सीखाने का महत्वपूर्ण स्थान है, जहां बालक खेल–खेल में ही अपनी रचनात्मकता को निखारता है। अनेक चार्ट व मॉडल आदि देखकर उसे स्वयं करके सीखने का अवसर मिलता है। यहां आयोजित सक्रियता पर आधारित गतिविधियां बालकों को स्वतंत्र और सृजनात्मक वातावरण प्रदान कर नई कल्पना और नए विचारों को विकसित करती हैं।

गुड शेपर्ड स्कूल में वातानुकूलित व सभी सुविधाओं से युक्त स्काउट क्लब रूम है। यह क्लब रूम स्काउट कौशल की उत्कृष्टता का सुंदर उदाहरण है। स्काउट रूम में प्रवेश करते ही हैड टू टो यूनिफॉर्म चेक करने के लिए मानव कद का मिरर लगा हुआ है। क्लब रूम में राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय स्तर के प्रमाण पत्र, आदर्श लाठी (स्काउट स्टाफ) जिस पर राष्ट्रपति स्काउट वासु गर्ग की प्रवेश से लेकर गूगल इंडिया तक की पूरी प्रगति का विवरण लिखा है। फर्स्ट एड बॉक्स, मैसेंजर ऑफ पीस प्रोजेक्ट, ए टू जैड बॉक्स जिसमें स्काउट की आवश्यकता का पूरा सामान जैसे सुई, धागा, सेफ्टी पिन, कैप बैज, बूट पॉलिश, ब्रश आदि मौजूद है, विभिन्न प्रकार के पोर्टेबल फ्लैग पोल, गैजेट्स, सभी प्रकार के झंडों की वास्तविक स्थिति का मॉडल, स्काउटिंग के चार स्तंभ, स्काउटिंग के सिद्धांत, रोवरिंग टू सक्सेस की पांच चट्टानें, व्हाट इज स्काउटिंग, हाऊ स्काउटिंग के चार्ट, प्रथम सोपान से तृतीय सोपान तक की गांठों के मॉडल बोर्ड, प्रवेश से राष्ट्रपति अवार्ड की प्रगतिशील योजना व आवश्यक दक्षता बैजों का बोर्ड, प्रत्येक स्काउट की मॉडल टेस्ट कॉपी, वेस्ट पेपर से निर्मित उपयोगी वस्तुएं, अनेक ब्रिजों के मॉडल आदि का प्रदर्शन किया गया है। गुड शेपर्ड

स्कूल शिक्षा व पाठ्य सहगामी गतिविधियों, सामाजिक सेवाओं के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

स्वाध्याय के लिए स्काउटिंग की पुस्तकों का एक पुस्तकालय भी है जिसमें अनेक पुस्तकों व पत्रिकाओं का संग्रह है। समय–समय पर अनेक अतिथियों ने इस ग्रुप का विजिट कर अपनी महत्वपूर्ण टिप्पणी दी हैं। सी.ओ. स्काउट श्री इन्द्राज सुथार का मानना है कि यह क्लब रूम स्काउटिंग की ज्ञानात्मक, प्रयोगात्मक तथा व्यावहारिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। सी.ओ.(गाइड) श्रीमती मोनिका यादव का विश्वास है कि इस स्काउट रूम में आकर स्काउटिंग की किसी पुस्तक को पढ़ने की आवश्यकता नहीं है सभी प्रश्नों के उत्तर यहां स्वयं ही मिल जाते हैं। एडवोकेट विनोद गोयल अध्यक्ष स्थानीय संघ प्लास्टिक रिसायकल मॉडल व स्काउट द्वारा प्लास्टिक वेस्ट से तैयार साज–सज्जा की सामग्री देखकर अत्यंत प्रभावित हुए। श्री मनोहर लाल एएलटी (स्काउट) का कहना है कि प्राथमिक सहायता में काम आने वाली वास्तविक आकार 94′ 94′ 133 सेमी की तिकोनी पट्टी प्रैक्टिकल तौर पर पहली बार यहां देखने को मिली। श्री राम कुमार स्वामी सचिव स्थानीय संघ का कहना है कि यहां का ए टू जैड बाक्स इमरजेंसी में बच्चों की आवश्यकता को पूर्ण करने में सक्षम है। इस शानदार ग्रुप की गतिविधियां आप scout guide academy यूट्यूब चौनल व gsps scout ind फेसबुक पर भी देख सकते हैं।

किसी भी संस्था की प्रगति वहां के प्रबंधन की रुचि व दृष्टिकोण पर निर्भर करती है। इस ग्रुप की इस प्रगति के लिए विद्यालय के चेयरमैन मनजीत चिमनी, डायरेक्टर मानव जीत चिमनी, मीनू चिमनी, प्रधानाचार्य श्रीमती अमोल दीप कौर का स्काउटिंग में गहरी रुचि लेना भी है।

क्लाइमेट लीडर कार्यशाला

'भारत स्काउट गाइड जलवायु परिवर्तन में बेहतर कार्य कर रहा है।' इसके साथ ही उपखंड अधिकारी नरेंद्र मीना ने क्लाइमेट लीडर कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा की स्काउट यूनिट लीडर लालसोट और रामगढ़ पचवारा ब्लॉक में सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रहे है। भारत स्काउट गाइड के राज्य मुख्यालय के निर्देशानुसार भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ लालसोट (दौसा) के तत्वावधान में जलवायु परिवर्तन विषय पर क्लाइमेट लीडर कार्यशाला का आयोजन क्लाइमेट चेंज स्टेट कॉर्डिनेटर श्रीकांत शर्मा के नेतृत्व में होटल सोनी में किया गया।

कार्यशाला का उद्घाटन एसडीएम नरेंद्र मीना, पक्षीविद और कॉलेज प्राचार्य डॉ सुभाष पहाड़िया, प्रधानाचार्य चेतना बंशीवाल, प्रधानाचार्य कपिल शर्मा के द्वारा किया गया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए एसडीएम नरेंद्र मीना ने कहा की अच्छी पहल पर निश्चित रूप से समाज का सहयोग मिल ही जाता है। कार्यशाला के प्रथम सत्र डॉ सुभाष पहाड़िया ने लिया, जिसमें जलवायु और मौसम, जलवायु परिवर्तन के कारण, प्रभाव और जलवायु परिवर्तन को रोकने के उपायों के बारे में विस्तृत चर्चा की। मास्टर ट्रेनर श्रीकांत शर्मा ने बताया की कार्यशाला में कुल 30 क्लाइमेट लीडर ने भाग लिया। ये लीडर ट्रेनिंग के बाद अपने अपने क्षेत्र में स्काउट गाइड के साथ साथ आमजन को मिशन लाइफ और जलवायु परिवर्तन के बारे में जागरूक करेंगे। कार्यशाला में अदिति शर्मा ने ग्लोबल वार्मिंग, कार्बन फुटप्रिंट, ग्रीन हाउस प्रभाव के बारे में, शिवांश और अभिषेक ने 'सुमनके' गतिविधि माध्यम से हाथ धोने का तरीका, बलराम मीना ने दयाभाव के साथ परस्पर सहयोग करना बताया। कार्यशाला में सहा.सचिव गौरव गोयल, महेंद्र साहू, राममोहन मीना, गिर्राज मीना, रामखिलाडी मीना, सुनीता, ज्योति बाकोलिया आदि शिक्षक उपस्थित रहे।

मिशन लाइफ के 7 उद्देश्यों पर करेंगे काम

क्लाइमेट लीडर श्रीकांत शर्मा ने बताया की मिशन लाइफ अभियान का उद्देश्य व्यक्ति और समुदाय के लिए ऐसी जीवन शैली अपनाने का है जो प्रकृति के अनुकूल हो और जिससे पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचे, साथ ही प्रति व्यक्ति कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए भारत में पर्यावरण के अनुकूल संस्कृति और पारंपरिक प्रथाओं का पालन करना है। मिशन लाइफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा शुरू किया गया विश्वव्यापी अभियान है। कार्यशाला में ऊर्जा बचाओ, पानी बचाओ, घरेलू कचरे को कम करना, उन्नत जीवन शैली अपनाना, ई वेस्ट को कम करना, सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को रोकना जैसे गंभीर विषयों पर चर्चा हुई।

नशा-मुक्ति कार्यशाला

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, श्रीगंगानगर में डाइट के वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में 'नशे से कैसे बचेगा समाज' पर कार्यशाला का आयोजन किया गया।

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, जिला मुख्यालय पर चुनाव डाइट बीएसटीसी छात्र अध्यापक का वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में शिक्षक समाज को नशा मुक्त करने में कैसे भूमिका रखता है और इसमें स्काउट समाज को नशे से बचाने का काम कैसे करेगा पर कार्यशाला आयोजित की गई।

मुख्य अतिथि के रूप में श्री गंगानगर जिले में नशा मुक्ति के लिए जिला प्रशासन व जिला पुलिस के संयुक्त तत्वाधान में चल रहे अभियान ऑपरेशन सीमा संकल्प सहप्रभारी सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग की ओर से विक्रम ज्याणी उपस्थित रहे। श्री ज्याणी ने संबोधित करते हुए उपस्थित छात्र अध्यापक को समाज को नशे से कैसे बचाएं और उसमें शिक्षक की भूमिका कैसे अदा होगी के बारे में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा की ऑपरेशन सीमा संकल्प 'ए प्रॉमिस फॉर ड्रग्स फ्री लाइफ' के अन्तर्गत जिला कलक्टर डॉ. मंजू चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक श्री गौरव यादव के नेतृत्व में श्रीगंगानगर को नशे से बचने के लिए विभिन्न नवाचारों का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है और आज आपके बीच में आना इसी नवाचार की कड़ी है, क्योंकि आपको शिक्षक बनने के प्रशिक्षण के दौरान मनोविज्ञान में मानव व्यवहार का अध्ययन करवाया जाता है ताकि आप बच्चों के व्यवहार को समझ कर उनको अध्ययन करवा पाए। इस प्रकार हमें बच्चों के व्यवहार को देखकर इस बात का पता लगाना है कि क्या वह गलत संगत में तो नहीं जा रहा। हर एक बच्चे का व्यक्तित्व विकास करना शिक्षक की जिम्मेदारी है और सबसे पहले शिक्षक को अपने व्यक्तित्व का विकास करना पड़ेगा। अपनी जिम्मेदारी उठाकर उसे खुद नशा मुक्त रहकर बच्चों के सामने रोल मॉडल बनना होगा। एक शिक्षक सबसे अधिक अपने बच्चों के करीब होता है। माता–पिता से भी अधिक बच्चे को अपने शिक्षक की बातों पर विश्वास होता है, इसलिए अगर आप समाज की नीव को नशा मुक्त करने में आगे आएंगे तो निश्चित ही समाज को नशा मुक्त किया जा सकेगा। हमें युवाओं को भगत सिंह जैसे अच्छे रोल मॉडल देने होंगे जिन्होंने कहा था कि ''मैं युवाओं को अध्ययन करने की सलाह देता हूं क्योंकि पिस्तौल और बम इंकलाब नहीं लाते, बल्कि इंकलाब की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है और विचार अध्ययन से मिलते है।''

कार्यक्रम में सी.ओ. इंद्राज सुथार ने कहा कि बोलना शिक्षक की पहचान है। उन्हें अच्छा बोलना सीखना पड़ेगा ताकि उनसे प्रेरित होकर आने वाला समाज सीख सके और यही स्काउट सिखाता है कि हमें अपने जीवन को कैसे व्यवस्थित व अनुशासित करना है। कार्यक्रम में यातायात पुलिस से रामनिवास पहुंचे व युवाओं को यातायात के बारे में जानकारी एवं उन्हें यातायात के नियमों को पालन करने की सलाह दी। कार्यक्रम में राजेंद्र सिंह शिविर संचालक, मोनिका यादव सी.ओ., अंग्रेज सिंह, रीटा गहलोत, मनोहर लाल एवं सैकड़ो की संख्या में स्काउट गाइड उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विक्रम ज्याणी ने सभी को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाई।

स्काउट की कलम से

13वाँ राज्य स्तरीय एडवेंचर शिविर : एक अविस्मरणीय यात्रा

श्यामसुन्दर गुप्ता
रामगंजमंडी (जिला - कोटा)

कभी ना भूले जा सकने वाले अनुभव, अद्भुत यादों के साथ पुष्कर घाटी में अपनी अमिट छाप छोड़ते हुए सम्पन्न हुआ 13 वाँ राज्य स्तरीय एडवेंचर शिविर।

कहा जाता है – "मानव जब जोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है। गुण बड़े एक से एक प्रखर, हैं छिपे मानवों के भीतर।"

इस शिविर में हमें हमारे उन गुणों के बारे में पता चला और उपर्युक्त पंक्ति को तब सच साबित कर दिखाया जब असंभव सी दिखने वाली डगर पर अपने पदचिन्हों की अमिट छाप छोड़ दी। जब शिविर में आने की योजना बनी तभी पता लग गया था कि शिविर बहुत अच्छा रहने वाला है।

बस यही कुछ उम्मीदों को मन में लिए ख्वाब सजाकर हम शिविर में पहुँचे।

प्रथम दिवस प्रशिक्षण केंद्र पर पहुँचे तो देखकर आश्चर्यचकित रह गए। अरावली का अरमान कहे जाने वाले अजमेर के नागपहाड़ की पहाड़ियों से घिरा, चहुँ ओर हरियाली से आच्छादित प्रशिक्षण केंद्र जहाँ चारों ओर पक्षी कलरव कर रहे हैं, भौरें गुंजार रहे हैं, मोरों की वाणी कानों में शहद घोल रही है और वन्यजीव स्वतंत्र रूप से विचरण कर रहे हैं। प्रकृति अपनी अद्भुत छटा अलग–अलग रूपों में प्रदर्शित कर रही है। मनोरम वातावरण है, सुरम्य हवा है। 56 बीघा में फैले आलौकिक प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण कर हम 6 किमी. की हाईक की ओर महाराणा प्रताप स्मारक पहुँचे। जहाँ सूर्यास्त का अनुपम नजारा दिखा।

दूसरे दिन प्रातःकाल नयी प्रभात, नए सवेरे के साथ, जोश से लबरेज होकर हमने नाग पहाड़ की ओर कूच किया। असंभव से लगने वाले नाग पहाड़ को उत्कृष्ट पथप्रदर्शक के नेतृत्व में बेहद सहजता से उछलते–कूदते, नाचते–गाते–बजाते, एक–दूसरे का साथ और हाथ थामकर कब अपने कदमों तले नाप लिया, पता ही नहीं चला। हमने सीखा कि लक्ष्य कठिन हो सकता है, परन्तु असंभव कभी नहीं। कहीं खड़ी चढाई तो कहीं फिसलन भरी ढलान, रास्ते में दिखते वन्यजीव....जिन्हें देख कर आभास हुआ कि यह जंगल घर तो उनका है, हम तो सिर्फ चन्द दिनों के लिए घूमने आये हुए मेहमान हैं। प्रकृति के अद्भुत सुरम्य नजारे, शुद्ध हवा, नो नेटवर्क, नो कॉन्टैक्ट, नो स्ट्रेस, कहाँ मिलेगा ऐसा जीवन?? यही सोचते, गीत गुनगुनाते पहाड़ के शिखर पर पहुँचकर हमने नागपहाड़ का पौराणिक महत्व जाना और वहाँ से हमें दिखा अजमेर शहर का विहंगम दृश्य। बादलों के बीच वह दृश्य और प्राकृतिक छटा देखकर मन प्रफुल्लित हुआ, हिलोरे मारने लगा। शायद इन्हीं दृश्यों को देख कर कन्हैयालाल सेठिया जी ने लिखा होगा कि – "ईं धरती पर देव रमण ने आवे (राजस्थान की धरती पर देवता विचरण करने आते हैं)"। इसी दिन वापिस आकर हमने टायर वॉल, जिप लाइन, कमाण्डो क्रॉसिंग जैसे कई एडवेंचर किये। शाम को सुन्दर भोजन के साथ शिविर ज्वाल के साथ 8 किमी. हाईक की थकान दूर हो गई।

तीसरे दिन सूर्य की पहली किरण के साथ हमने पुष्कर तीर्थ की ओर अपनी यात्रा शुरू की। मस्ती में झूमते, गीत गुनगुनाते, रोप वे में बैठ कर प्राकृतिक नजारों का आनंद लेते हुए सावित्री माता मंदिर पहुंचकर उनके दर्शन किये। वहाँ से नीचे आकर जगतपिता ब्रम्हाजी तथा पुष्कर सरोवर के दर्शन किये। बाजार घूमे, स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया, खरीददारी की। फिर खाई, जंगल और पत्थरों के बीच होते हुए हमने एक पहाड़ पर चढाई की जहाँ रॉक क्लाइम्बिंग एडवेंचर था। हिम्मत और हौसलों के साथ रॉक क्लाइम्बिंग कर उस पहाड़ को भी फतह किया। रेत के धोरों में होते, कभी चढ़ते, कभी

उतरते वापिस पहुँचने तक 20 किमी. हाईक की, लेकिन जोश के आगे थकान कुछ भी नहीं थी।

चौथे दिन पूरे बच्चे बनकर रेत के समंदर में चढ़े, उतरे, उछले, कूदे, गिरे, फिसले और खेले। मानो 10 वर्ष के अबोध नन्हें बच्चे बन गए हों, जिसे किसी चीज की कोई फिक्र नहीं। वहाँ से लौटते समय बुढ़ा पुष्कर सरोवर के दर्शन किये। दोपहर बाद टाइगर जम्प, मंकी क्रॉल आदि कई एडवेंचर किये। वैसे तो रोजाना शिविर ज्वाल हो रहा था परन्तु इस दिन का शिविर ज्वाल विशेष रहा। अलग–अलग राज्यों और क्षेत्रों से आये संभागियों की उनकी पारम्परिक वेशभूषा में प्रस्तुतियाँ देखकर उनकी संस्कृति को जानने–समझने का अवसर मिला। ऐसा लग रहा था मानो सम्पूर्ण राजस्थान एक छत के नीचे आ गया हो जहाँ महाराष्ट्र और दिल्ली भी साथ थे।

अंतिम पाँचवे दिवस सुबह चार एडवेंचर किये और समापन समारोह तथा ध्वजावतरण के साथ विदाई की वेला आई तो सभी के चेहरे लटके हुए थे। कुछ समय पहले हँसी–ठिठोली कर रहे बच्चे अचानक शान्त हो गए। अपने मित्रों को स्नेहपूर्वक गले लगा रहे थे और उन लम्हों को कैमरे में कैद कर रहे थे। आँखों में खुशी थी इतना अच्छा शिविर सफलतापूर्वक पूर्ण कर 5 दिन साथ बिताने की और आँसू थे बिछड़ने के, फिर कभी जरुर मिलने के वादे के साथ। सबका यही कहना था काश कुछ समय और मिल जाये साथ रहने को, ये लम्हे जीने को। फिर मिलने और प्रशिक्षण केंद्र पर वापिस आने की आस लिए आँखों में खुशी और गम के मिले–जुले आँसू लिए हम निकाल पड़े अपने–अपने गंतव्य की ओर।

मन में यादें रह गयी उन 5 दिनों की, परिवार की भांति स्नेह करने वाले उन गुरुजनों और उस परिवार की। धन्यवाद उन सभी का जिन्होंने मेरे जीवन के इन 5 दिनों को इतना यादगार, अद्‌भुत, अकल्पनीय और अविस्मरणीय बनाया। धन्यवाद हमारे कोटा मण्डल के एएसओसी दिलीप जी का जिनके आदेश से हम वहाँ गए। धन्यवाद अजमेर मण्डल के एएसओसी विनोद जी का जिन्होंने संख्या बल इतना अधिक होने के बावजूद सभी संभागियों को शिविर में प्रवेश दिया। धन्यवाद कोटा जिले के सी.ओ. बृजसुन्दर जी और हमारे स्थानीय संघ सचिव जी का जिन्होंने मेरे कई बार मना करने के बावजूद मुझे प्रेरित कर शिविर में भेजा। धन्यवाद शिविर संचालक का जिन्होंने पूरे 5 दिन तक हमें एक परिवार की भाँति पाला, कहानियाँ और शायरियाँ सुनाई। 5 दिन तक इस परिवार को एक संरक्षक की तरह एक सूत्र में बाँधे रखा। धन्यवाद शिविर में उपस्थित सभी गुरुजनों और एडवेंचर निर्देशकों का जिन्होंने इतने कठिन एडवेंचर इतनी सफलता पूर्वक करवाए। और विशेष धन्यवाद उन सभी मित्रों और परिवार के सदस्यों का जिनके साथ 5 दिन बिताये।

5 दिन में 41 किमी. ट्रैकिंग, जंगल में रहना, नो नेटवर्क और पूरा आनंद। इन 5 दिनों में पता चला कि स्काउटिंग कैसे जी जाती है। सच में कोई भी संभागी नहीं रोक पाया विदाई के आँसू...

और इस प्रकार सम्पन्न हुआ हमारा 13 वाँ राज्य स्तरीय एडवेंचर शिविर जिसमें सिर्फ 3 चीजें थी – "Fun, Food और Fight"। और अन्त में मैंने लिखी इस शिविर पर एक कविता –

राजस्थान, महाराष्ट्र, दिल्ली और हरियाणा का अनूठा संगम,
अलग–अलग संस्कृतियों से शिविर का दृश्य हुआ विहंगम।
पहले दिन कैम्पस में घूमे,
राणा प्रताप स्मारक देख खुशी से झूमे।
दूसरे दिन सुबह होते ही नागपहाड़ पर कूच किया,
अपने ऊँचे हौंसलो से उसको भी जीत लिया।
तीसरे दिन पुष्कर तीर्थ की ओर दौड़ लगाई,
रास्ते में वापिस आते हुए चट्टान पर भी की चढाई।
ब्रम्हाजी के दर्शन किये, मस्ती भी की कभी ज्यादा, कभी थोड़ी,
पानीपुरी और समोसे तो ठीक है हमने पूड़ियाँ भी नहीं छोड़ी।
चौथे दिन बच्चे बने, रेत के समंदर में शौर्य दिखाया अदम्य,
5 दिन में 35 एडवेंचर ने हमारा कैंप बनाया सुरम्य।
शिविर ज्वाल में हँसी खुशी मस्ती की फुलझड़ियाँ जलाई,
आखिरी दिन सुबह उठकर धनुष और बन्दूक चलाई।
जब लौटने का समय आया तो कैंप लग रहा था सबको धाँसू,
लेकिन जब विदाई का क्षण आया
तो नहीं रोक पाए अपने आँसू...!!

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित शिविरों, गतिविधियों इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर संभाग

◈ भारत स्काउट व गाइड, प्रशिक्षण केंद्र पुष्कर घाटी, अजमेर पर 8 सितम्बर को जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत ने वृक्षारोपण किया। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, अजमेर के जिला सचिव सत्यनारायण वैष्णव ने बताया कि स्काउट गाइड के मण्डल प्रशिक्षण केंद्र पुष्कर घाटी, अजमेर पर जल संसाधन मंत्री श्री सुरेश सिंह रावत एवं जिला परिषद

सदस्य श्री महेंद्र सिंह मझेवाला के द्वारा शिविर केंद्र में वृक्षारोपण किया गया। साथ ही सात दिवसीय आवासीय स्काउट एवं गाइड बीएसटीसी के लगभग 250 छात्र–छात्राओं के चल रहे प्रशिक्षण शिविर का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर माननीय मंत्री जी द्वारा पुष्करघाटी शिविर परिसर को पूर्ण रूप से घना जंगल क्षेत्र बनाने की आव्हान करते हुए अपने विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया एवं सभी स्काउट गाइड अधिकारियों से भी आव्हान किया। उनके समक्ष शिविर केंद्र की पानी स्टोरेज की समस्या बताए जाने पर मंत्री

महोदय द्वारा अविलंब 25000 से 30000 लीटर की टंकी बनवाने की घोषणा की गई, जिससे इस शिविर क्षेत्र पर आयोजित होने वाले शिविरों में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को किसी भी समय जल की समस्या का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर सहायक राज्य संगठन आयुक्त विनोद दत्त जोशी ने श्री सुरेश सिंह रावत एवं श्री महेंद्र सिंह मझेवला का राजस्थानी परंपरानुसार साफा, शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में जिला कमिश्नर गाइड वीणा अग्रावत, सी.ओ. गाइड ओम कुमारी चौहान, जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट महेश चंद शर्मा, रमन प्रकाश गौतम, शिविर संचालक बाबूद्दीन काठात, वीरेंद्र शर्मा, कालू लाल गुर्जर, स्काउट सहायक मुंशी खान, सुश्री ममता आदि उपस्थित रहे।

भरतपुर संभाग

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, भरतपुर के तत्वावधान में सात दिवसीय आवासीय गाइड कैप्टन बेसिक कोर्स 18 से 24 सितंबर 2024 तक मंडल मुख्यालय भरतपुर पर आयोजित किया गया। शिविर में जिला भरतपुर की 70 अध्यापिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। शिविर के पांचवे दिन पार्षद पंकज गोयल द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया।

सर्वप्रथम श्री मुरारी लाल शर्मा के द्वारा स्काउट गाइड परंपरा के अनुसार स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया गया व सी.ओ. गाइड सीमा रिजवी के द्वारा शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। पार्षद पंकज के द्वारा शिविर की आवश्यकताओं को देखते हुए कार्यालय व शिविर स्थल के लिए 6 स्ट्रीट लाइट, रसोई घर व पार्किंग के लिए क्लॉक ईंट लगवाने की घोषणा की गई।

शिविर के छठवें दिवस सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) श्रीमती नीता शर्मा द्वारा शिविर का अवलोकन किया गया। इस अवसर पर श्रीमती शर्मा को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा उनका स्कार्फ व साफा पहनाकर कर स्वागत किया गया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, भरतपुर के पदाधिकारियों द्वारा 02 सितंबर 2024 को नवनियुक्त संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा भरतपुर संभाग श्री विनोद कुमार धवन से शिष्टाचार भेंट की गई। संयुक्त निदेशक भरतपुर का स्काउट गाइड परंपरा के अनुसार श्री देवेन्द्र कुमार मीना सी.ओ स्काउट

मण्डल मुख्यालय भरतपुर ने स्कार्फ पहनाकर तथा श्रीमती सीमा रिजवी सी.ओ. गाइड भरतपुर ने पुष्पगुच्छ भेंटकर एवं श्री बलराज सिंह एलटी (स्काउट), श्री मुरारीलाल शर्मा एचडब्ल्यूबी (स्काउट) व श्री पूरण चन्द कोषाध्यक्ष स्थानीय संघ भरतपुर द्वारा मोमेंटो भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक के समक्ष भरतपुर जिला व मण्डल में होने वाली स्काउट गाइड की समस्त गतिविधियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई है।

बीकानेर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड एवं वन विभाग, झुंझुनू के संयुक्त तत्वावधान में बीड वन क्षेत्र में विश्व ओजोन दिवस का आयोजन उपवन संरक्षक बी.एल. नेहरा के मुख्य आतिथ्य एवं सी.ओ. स्काउट महेश कालावत की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित छात्र छात्राओं, स्काउट्स गाइड्स को संबोधित करते हुए श्री नेहरा ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष में आधिकाधिक पेड़ पौधे लगाकर ओजोन परत संरक्षण करने में अपना सहयोग करें, उपवन संरक्षक ने उपस्थित लोगों को ओजोन परत संरक्षण हेतु शपथ भी दिलवाई। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने कहा कि दिनों दिन एयर कंडीशनर के उपयोग से ओजोन परत में छेद हो रहा है, फलस्वरुप पृथ्वी पर अल्ट्रावायलेट किरणें आ रही है और कार्बन डाइ ऑक्साइड की वजह से पृथ्वी का तापमान दिनों दिन बढ़ता जा रहा है, जिसके कारण ग्रीन हाउस इफेक्ट हो रहा है और ध्रुवों से बर्फ पिघलकर समुद्री जल स्तर बढ़ रहा है, जो मानव सभ्यता के लिए हानिकारक सिद्ध होगा। इसको रोकने हेतु हमें अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर सहायक वन संरक्षक खेतड़ी विजय फगेडिया एवं सहायक वन संरक्षक झुंझुनू श्रवण झाझरिया ने भी ओजोन परत संरक्षण हेतु अपने विचार रखें। कार्यक्रम के अवसर पर पौधारोपण कर ओजोन परत संरक्षण का संदेश दिया गया। बीड वन क्षेत्र मे पूर्व स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में भी ओजोन दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। स्काउट्स गाइड्स ने चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया तथा पर्यावरण संरक्षण हेतु कार्य करने की शपथ ली। कार्यक्रम में झुंझुनू स्काउट सचिव बंसीलाल, वरिष्ठ

स्काउट रामदेव सिंह गढ़वाल, मोहम्मद जाबिर, सुनील कुमार, फ्लॉक लीडर रिद्धि कुमारी सहित वन विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं आमजन के साथ–साथ रविंद्र पब्लिक स्कूल झुंझुनू, ज्योति विद्यापीठ सीनियर सेकेंडरी स्कूल बगड़ के छात्र छात्राएं, स्काउट्स गाइड्स उपस्थित रहे। रेंजर अमित कुमार सैनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन स्काउट प्रभारी विजय गर्वा ने किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त हुआ।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, झुंझुनू एवं मान नगर का वार्षिक अधिवेशन स्थानीय संघ प्रधान एवं शिक्षाविद डॉ. गुलझारी लाल कालेर की अध्यक्षता, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार पूनिया की अध्यक्षता एवं सी.ओ. स्काउट महेश कालावत तथा सी.ओ. गाइड सुमिता महला, लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया के विशिष्ट आतिथ्य में स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। स्थानीय संघ झुंझनु सचिव बंशीलाल ने बताया कि स्थानीय संघ वार्षिक अधिवेशन के दौरान सत्र 2023–24 की

उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए आगामी कार्य योजना तैयार की गई तथा कोषाध्यक्ष रामसिंह कुलहरी ने सत्र 2023–24 का वास्तविक एवं चालू सत्र का प्रस्तावित बजट सदन के सम्मुख प्रस्तुत किया, जिसे सदन द्वारा अनुमोदित किया गया। इसी प्रकार स्थानीय संघ मान नगर सचिव धर्मपाल सिंह ने गत सत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला, सहायक सचिव विजय गर्वा ने प्रस्तावित बजट सदन में पेश किया जिसे अनुमोदित किया गया। इस दौरान सी.ओ. गाइड सुमिता महला व सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने संबोधित किया। कालावत ने संस्था

प्रधानों से आग्रह किया कि अपने विद्यालय में राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड संगठन की प्रभावी गतिविधियां सुनिश्चित करें एवं जहां पर प्रशिक्षित अध्यापक नहीं है उनको प्रशिक्षित करवा कर बालक बालिकाओं को स्काउट से जोड़कर राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति अवार्ड दिलाने में सहायता करें।

इस दौरान डॉ. गुलझारी लाल कालेर ने अध्यक्षीय उदबोधन दिया। प्रभारी कमिश्नर स्काउट एवं अतरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अशोक पूनिया ने रीजनल मिनी जंबूरी तथा स्काउट गाइड गतिविधियों में उत्कृष्ट सहयोग हेतु कहा। इस अवसर पर झुंझुनूं ब्लॉक के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं स्काउटर गाइडर तथा स्काउट गाइड संगठन से जुड़े हुए पदाधिकारी ने सहभागिता की तथा प्रधानाचार्य अनीता सैनी, परमजीत सिंह, संजय शर्मा, बिमला सैनी, आर. पी. जयप्रकाश, जयपाल सिंह, रामकृष्ण महरिया, रामाकिशन सैनी, राजेश शर्मा आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ स्काउटर रामसिंह कुलहरी ने किया। अधिवेशन में गाइड एवं बुलबुल द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर राजस्थानी संस्कृति को जीवंत किया जिसकी उपस्थित सभी संस्था प्रधानों एवं अतिथियों ने सराहना की। राष्ट्रगान के साथ अधिवेशन संपन्न हुआ।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में कब चतुर्थ चरण एवं बुलबुल हीरक पंख प्रशिक्षण एवं जांच शिविर, राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड, राज्य पुरस्कार रोवर प्रशिक्षण शिविर एवं स्थानीय संघ झुंझुनूं, मान नगर का द्वितीय तृतीय सोपान प्रशिक्षण शिविर का आयोजन स्काउट गाइड कार्यालय परिसर में किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि शिविर में विभिन्न विद्यालयों के 280 स्काउट, गाइड, रोवर, कब, बुलबुल को स्काउट गाइड की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। ध्वज शिष्टाचार, प्रार्थना, झंडा गीत, प्राथमिक चिकित्सा, सीपीआर, आपदा प्रबंधन, नियम, प्रतिज्ञा सहित विभिन्न दक्षता बैजों की जानकारी प्रदान की जा रही है। शिविर में सी.ओ. गाइड सुभिता महला, स्थानीय संघ मान नगर सचिव धर्मपाल सिंह, झुंझुनू सचिव बंसीलाल, कोषाध्यक्ष राम सिंह कुल्हरी, सहायक सचिव रामाकिशन सैनी, राजेश शर्मा, सहायक सचिव विजय गर्वा, शक्ति सिंह शेखावत, दिनेश, अमरचंद, सुनील कुमार,

मोहम्मद जाबिर, अनीता सैनी, दीपिका सोनी, दर्शना कुमारी, कुलदीप, रिद्धि कुमारी, कविराज आदि ने प्रशिक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी। कब बुलबुल शिविर का संचालन लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया द्वारा किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, झुंझुनू के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस का आयोजन उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज मील के मुख्य आतिथ्य में स्काउट गाइड कार्यालय में समारोहपूर्वक किया गया। सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया कि आयोजन से पूर्व स्काउट गाइड द्वारा विश्व शांति हेतु शांति की संस्कृति विकास के तहत रैली का आयोजन किया गया। रैली स्काउट कार्यालय से प्रारंभ होकर कारुंडीया रोड, बापू बस्ती, कुमावत बस्ती, मोदी रोड, गांधी पार्क होते हुए पुनः स्काउट गाइड कार्यालय पहुंची। कार्यालय परिसर में मुख्य समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष मनोज मील ने उपस्थित स्काउट गाइड रोवर रेंजर्स को संबोधित करते हुए

कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विश्व स्तर पर शांति की महत्ती आवश्यकता है। चारों तरफ एक देश दूसरे देश के विरुद्ध युद्ध के लिए खड़ा है। फलस्वरूप विश्व शांति पर असर पड़ रहा है। हमें न केवल विश्व अपितु अपने देश, समाज और गांव में भी शांति व्यवस्था बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए। इस अवसर पर स्काउट गाइड संगठन के विभिन्न पदाधिकारी, सचिव बंशी लाल, रामसिंह कुलहरी, धर्मपाल सिंह, राजेन्द्र सिंह भाटी, रामाकिशन सैनी, शक्ति सिंह, विजय गर्वा, सुनिल कुमार, मो.जाबिर, दीपिका सोनी, सुनिता, अनिता सैनी, दर्शना, रिद्धि सहित स्काउट गाइड प्रभारी एवं विभिन्न विद्यालयों के रोवर्स, रेंजर्स, स्काउट गाइड उपस्थित रहे।

जयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, मण्डल मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में गाइड कैप्टिन फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स बनीपार्क जयपुर पर 3 से 9 सितंबर 2024 तक आयोजित किया गया। आयोजित बैसिक कोर्सेज में फ्लॉक लीडर में जयपुर की 19, अलवर की 22, खैरथल की 39 तथा गाइड कैप्टिन में जयपुर की 24 व अलवर की 19 अध्यापिकाओं ने सहभागिता

की। आयोजित फ्लॉक लीडर एवं गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। फ्लॉक लीडर बेसिक कोर्स का संचालन श्रीमती संतोष आर्य एएलटी बुलबुल ने किया तथा गाइड कैप्टिन बेसिक कोर्स का संचालन श्रीमती सुशीला उपाध्याय एलटी गाइड द्वारा किया गया। संचालन में श्रीमती इंदू तंवर, दमयंती जी, संपत्त सेन, हिमांशी जैन आदि ने सहयोग किया। इन शिविरों में प्रवेश से लेकर तृतीय सोपान तक के संपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। नियम प्रतिज्ञा, स्काउट गाइड के सिद्धांत, प्राथमिक सहायता, गाइड व गाइडर की यूनिफॉर्म, पायनियरिंग, ऐस्टीमेशन, दिशा ज्ञान, रूढ़िवादी चिन्ह, खोज के चिन्ह, हाइक, विभिन्न प्रकार के खेल, ग्रुप मीटिंग व अन्य कई विषयों पर संपूर्ण प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड जिला जयपुर की जिला परिषद का तृतीय वार्षिक अधिवेशन एवं स्थानीय संघ झोटवाड़ा का वार्षिक अधिवेशन दिनांक 30 अगस्त 2024 को सेंट टेरेसा स्कूल, निवारू रोड, जयपुर के सभागार में आयोजित किया गया।

अधिवेशन की मुख्य अतिथि सांसद, जयपुर शहर श्रीमती मंजू शर्मा रही। अधिवेशन की अध्यक्षता जिला प्रधान श्री मुकेश गोयल ने की। अधिवेशन में जिला परिषद के प्रधान, उप प्रधान, जिला सचिव, जिला कोषाध्यक्ष, सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्री दामोदर प्रसाद शर्मा, सहायक राज्य संगठन आयुक्त श्रीमती नीता शर्मा सी.ओ. स्काउट श्री शरद शर्मा, सी.ओ. गाइड श्रीमती इन्दू तंवर एवं ऋतु शर्मा सहित कार्यकारिणी के सभी सम्मानित सदस्य उपस्थित रहे।

अधिवेशन में श्री एल.आर. शर्मा को लीडर ट्रेनर रोवर आनरेबल चार्ज प्रदान किया गया, साथ ही श्री अभय सिंह शेखावत, श्री सुरेश ढवास, श्री सिराज खान, श्री उमाकान्त शर्मा, श्री विनोद गुर्जर, श्री मोहन सैनी एवं सुश्री हिमांशी जैन को हिमालय बुडबैज पार्चमेंट प्रदान किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में राजकीय बीआर अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर में 21 सितंबर 2024 को विश्व शांति दिवस मनाया गया जिसमें स्काउट हेमंत अलवरिया, गोलू मीणा, अनिल, नितिन, कवि, ओम अलवरिया, देवराज, गौरव मीणा, अखिलेश मीणा, कपिल, बजरंग लाल, सुधांशु, रोहित, दिलकुश, नागेंद्र मीणा, अंकित, गंभीर, वीरेंद्र, बृजेश देव बाकोलिया, आदित्य वैष्णव उपस्थित रहे। स्थानीय संघ खाटूश्यामजी के तत्वावधान में विश्व शांति दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया जिसके मुख्य अतिथि

नगरपालिका खाटूश्यामजी चेयरमेन श्रीमती ममता मुंडोतिया, विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्य सचिव रविनंदन भनोत, धनराज सैनी, स्थानीय संघ के प्रभारी सहायक जिला कमिश्नर महेश कुमार, कार्यक्रम अध्यक्ष एडवोकेट जनार्दन शर्मा, प्रधान की उपस्थिति में संपन्न हुआ। समारोह सर्व धर्म प्रार्थना से शुरू हुआ। विश्व शांति दिवस पर मानव श्रृंखला, निबंध प्रतियोगिता, भाषण लेखन प्रतियोगिता, वाद विवाद, विश्व शांति के संदेश के उद्घोष, कैंडल मार्च, निनाद, स्काउट की कई गतिविधियों का संचालन किया गया।

- भारत स्काउट व गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर, जिला मुख्यालय, सीकर के नेतृत्व में विश्व के एसजी प्रोजेक्ट जलवायु परिवर्तन के तहत आज पूरे जिले में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। जिला मुख्यालय पर ओजोन दिवस के अवसर पर ओजोन संरक्षण पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें रोवर्स, स्काउट व इको क्लब सदस्यों ने भाग लिया। बी.आर. अंबेडकर ओपन रोवर क्रू थोई के सीनियर रोवर एवं यूथ जिला सचिव रामप्रसाद भास्कर, रोवर मेट सुंदरलाल रामनिवास, नवीन कुमार, अशोक कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्काउट गाइड मुख्यालय पर श्रमदान का कार्यक्रम एवं संगोष्ठी का आयोजन

भी किया गया। ओजोन परत को संरक्षित करने के बारे में जिला समन्वयक एवं सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने विशेष जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि ओजोन परत नहीं हो तो हमारा जीवन भी नहीं रहेगा। इसलिए ओजोन परत को बचाने में जो कुछ हम कर सकते हैं अधिक से अधिक सभी को प्रयास करना चाहिए।

इसके साथ ही राजकीय बी.आर. अंबेडकर बालक छात्रावास सीकर में ओजोन दिवस मनाया गया। स्काउट मास्टर ओम प्रकाश रेगर ने बताया कि इस अवसर पर स्काउट ने ओजोन दिवस की शपथ ली। चित्रलेखन प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। आयोजन में भाग लेने वाले स्काउट हेमंत अलवारिया, गोलू मीणा, अंकित, सिद्धार्थ मीणा, दिलकुश बुनकर, वीरेंद्र बुनकर, दीपांशु, देवराज, नितिन, कपिल, बृजेश, गंभीर, रोहित मालवरिया, कवि ओम अलवरिया, पंकज, अजय कुमार, शिवम मीणा, पीयूष मीणा, गौरव मीना, उदय सिंह उपस्थित रहे।

बाबा सुंदर दास के आंगन में स्थानीय संघ खण्डेला के सचिव जगदीश बाजिया ने बताया कि आज अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर सभी स्काउटस व इको क्लब सदस्यों ने ओजोन बचाने की शपथ लेकर समाज में जागरुकता उत्पन्न कर चेतना की अलख जगाई। इस कार्यक्रम में पूर्व सचिव छाजूराम वर्मा ने सभी स्काउट को पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। सुंदर दास धाम पर स्वच्छता का कार्य किया।

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानसी के स्काउट मास्टर प्यारेलाल नायक, राजकीय उच्च माध्यमिक सिहोट बड़ी बेस्ट स्काउट मास्टर बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में विश्व ओजोन दिवस मनाया गया व अनेक स्काउट गाइड एवं नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब सदस्यों ने ओजोन बचाओ जीवन बचाओ का संदेश दिया।

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के निर्देशानुसार उदय दास की ढाणी स्थित बाबा रामदेव जी के मंदिर में आयोजित मेले के अवसर पर 2 दिन लगातार स्काउट गाइड्स एवं रोवर्स के द्वारा सेवाएं प्रदान की गई। सी.ओ. स्काउट बसंत कुमार लाटा ने बताया कि स्थानीय संघ सीकर

के सचिव महेंद्र कुमार पारीक सहायक सचिव देवीलाल, स्काउट मास्टर ओम प्रकाश रेगर के नेतृत्व में शोभायात्रा, दर्शन के समय पंक्ति बनाना, प्रसाद व्यवस्था, बैरिकेट्स व्यवस्था, जल व्यवस्था, बुजुर्ग भक्तों को दर्शन करवाना इत्यादि सेवाएं प्रदान करते हुए लगातार 12 से 13 सितंबर 2024 तक सेवाएं प्रदान की गई। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष एवं पुजारी पाला राम सैनी ने भारत स्काउट गाइड के सदस्यों की सेवाओं की सराहना करते हुए लगातार मिल रही सेवाओं के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

जोधपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही द्वारा नवनियुक्त जिला कलक्टर अल्पा चौधरी का स्वागत स्काउट गाइड परिवार सिरोही की ओर से संगठन का स्कार्फ, स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर किया गया। इस अवसर पर सी.ओ. स्काउट एम.आर. वर्मा ने जिले में संचालित स्काउट गाइड गतिविधियों एवं नेशनल ग्रीन कोर इको क्लब गतिविधि एवं नवंबर, 2024 में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अजारी पिंडवाड़ा में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय स्काउट गाइड रैली आदि के संदर्भ में विस्तार से जिला कलक्टर महोदया को

अवगत कराया। जिला कलक्टर महोदया ने स्काउट गाइड द्वारा आयोजित गतिविधियों के आयोजन के लिए पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी गणपत सिंह देवड़ा, लीडर ट्रेनर स्काउट कमल किशोर पुरोहित, सहायक सचिव स्थानीय संघ शिवगंज व पर्यावरण विज्ञ ओम प्रकाश कुमावत, नरेंद्र कुमार पूर्व रोवर,

रोहित कुमार रोवर एवं सुश्री शंकु कुमारी, अनिता कुमारी रेंजर उपस्थित थे। सुश्री शंकु कुमारी रेंजर गाइड ने जिला कलक्टर का स्वागत स्कार्फ पहनाकर किया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में 19 से 23 सितंबर तक पांच दिवसीय राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड रोवर रेंजर एवं निपुण रोवर रेंजर प्रशिक्षण शिविर का समापन 23 सितम्बर को समारोह पूर्वक संपन्न हुआ। सी.ओ. स्काउट गोविन्द मीना ने बताया कि शिविर केंद्र पर राज्य पुरस्कार स्काउट शिविर में 60 संभागी, राज्य पुरस्कार गाइड 27, राज्य पुरस्कार रेंजर 24, राज्य पुरस्कार रोवर 30, निपुण रोवर 56 तथा निपुण रेंजर 17 सहित 214 संभागियों ने भाग लिया। राज्य पुरस्कार शिविर के अंतिम दिवस पर पाली ब्लॉक के मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप करमचंदानी ने शिविर का अवलोकन किया। शिविर के अंतिम दिवस सीबीईओ करमचंदानी ने समस्त संभागियों को संबोधित करते हुए पांच

दिवस के इस प्रशिक्षण में जीवन उपयोगी ज्ञान को अपने जीवन में उतारने के साथ ही स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से अर्जित किए अनुशासन के भाव, समय की पाबंदी, प्राथमिक सहायता, जीवन रक्षक गांठों का उपयोग एवं स्वयं को सुनागरिक के रूप में तैयार करते हुए देश सेवा को समर्पित करने की प्रेरणा दी। सी.ओ. गाइड डिंपल दवे ने बताया की शिविर के अंतिम दिवस संभागियों से खुला वार्तालाप हुआ। शिविर अनुभव एवं ध्वजावतरण के पश्चात राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन किया गया।

इन विषयों का हुआ प्रशिक्षण – शिविर में पाठ्यक्रम अनुसार प्राथमिक सहायता, आपदा प्रबंधन, ध्वज शिष्टाचार, व्यायाम, प्रार्थना, राष्ट्रगान, पायनियरिंग, लेसिंग, ट्रेसल बनाना एवं विभिन्न पायनियरिंग प्रोजेक्ट के साथ विभिन्न सामुदायिक सेवा कार्यों के बारे में जानकारी तथा स्वयं को आत्मनिर्भर एवं संस्कारवान बनाने के संदर्भ में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

शिविर में संचालक पुरुषोत्तम पुरी गोस्वामी, मोहन सिंह राठौड़, दौलत सिंह, नितेश तोषावरा, सहायक लीडर ट्रेनर कब करमाराम, नसीम बानो, उर्मिला यति, कविता भाटी, प्रभु राम प्रजापति, कैलाश कुमार, प्रदीप कुमार शर्मा, जोधराज, रघुनाथ राम मीना, जयपाल, भगवान सिंह एवं रोवर अर्जुन, विक्रम, घीसाराम, विशाल आदि द्वारा सहयोग प्रदान किया गया।

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, पाली के तत्वावधान में राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर में चौथे दिवस 22 सितम्बर को विश्व बेटी दिवस मनाया गया। सी.ओ. गाइड डिम्पल दवे ने बताया कि शिविर के विश्व बेटी दिवस के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में सहायक स्टेट कमिश्नर गाइड नूतन बाला कपिला ने समस्त संभागियों को संबोधित करते हुए जीवन में लक्ष्य का निर्धारण करते हुए अनुशासन के साथ लक्ष्य की तरफ

आगे बढ़ने का संकल्प दिलवाया एवं विद्यार्थी जीवन में सेवा के भाव को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रातः ध्वजारोहण महेंद्र बोहरा पूर्व सभापति नगर परिषद पाली द्वारा किया गया। इस मौके श्री बोहरा ने समस्त शिविरार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद मुकेश बाफना द्वारा भी स्काउट गाइड गतिविधियों पर विचार व्यक्त किया गया।

कोटा संभाग

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, बारां द्वारा अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर बारां शहर में कैंडल मार्च निकाला गया। सी.ओ. स्काउट प्रदीप चित्तौड़ा के नेतृत्व में कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। कैंडल मार्च का सी. ओ. स्काउट कोटा बृज सुंदर मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कैंडल मार्च स्काउट गाइड मृदुल भवन से प्रारंभ होकर चार मूर्ति चौराहा तक लोगों को शांति के लिए प्रेरित

करता हुआ आया। वहां आकर सभी रोवर रेंजर ने मानव श्रृंखला बनाकर विश्व में शांति रहे, का संदेश प्रदान किया। कैंडल मार्च में रोवर लीडर महेश सेन, सीनियर रोवर कमलेश मीणा, स्काउट मास्टर दिनेश नागर, अनीता आदि मौजूद रहे।

उदयपुर संभाग

- भारत स्काउट व गाइड, भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में स्काउट गाइड की योग्यता वृद्धि हेतु राज्य पुरस्कार स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 02 से 06 सितम्बर 2024 तक श्रीजी रिसोट धरियावद नाका प्रतापगढ़ पर किया गया। शिविर के चौथे दिन के ध्वजारोण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिला कलक्टर अजंली राजौरिया ने कहा कि स्काउट गाइड पीड़ितों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहें व अपने आपको शारीरिक मानसिक बौद्धिक एवं चारीत्रिक रूप से सबल बनाकर अपने जीवन को सफल बनाये। सी.ओ.गाइड रेखा शर्मा ने बताया कि जिला कलक्टर अजंली राजौरिया ने स्काउट गाइड से सीधा वार्तालाप किया एवं स्काउट गाइड को दिये जा रहे प्रशिक्षण

की शिविर स्टाफ से जानकारी प्राप्त की। स्काउट गाइड से भी उनको दिये जा रहे प्रशिक्षण के बारे में अनेकों सवाल किये। जिनका स्काउट गाइड ने निर्भिकता से उत्तर दिया।

इस अवसर पर शिविरार्थियों द्वारा सड़क सुरक्षा एवं नशामुक्ति जागरूता रैली का भी आयोजन किया गया जिसको प्रशिक्षण स्थल से जिला कलक्टर महोदया ने हरी झण्डी दिखाकर रवना किया। इस अवसर पर स्काउट गाइड से कहा कि यातायात नियमों का पालन करें एवं किसी भी तरह के नशे से दूर रहने की अपील के साथ ही कहा कि वे आमजन को नशे की प्रवृति से दूर रहने का अभियान चलाये। उन्होंने कहा कि नशा करने से व्यक्ति को आर्थिक एवं शारीरिक रूप से परेशानी का सामना करना पड़ता है। नशामुक्ति एवं सड़क सुरक्षा रैली सदर बाजार, सूरजपोल, गाँधी चौराहा, नीमच नाका होती हुई स्काउट गाइड जिला प्रशिक्षण केन्द्र पहुंची। रैली में स्काउट गाइड नशामुक्ति एवं सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित नारे लगाते हुए चल रहे थे।

- भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, उदयपुर में स्काउट गाइड का पांच दिवसीय तृतीय सोपान शिविर 13 से 17 सितम्बर 2024 तक संत टेरेसा स्कूल बोहरा गणेशजी उदयपुर पर आयोजित किया गया। इसमें 10 स्कूल के 200 स्काउट गाइड ने भाग लिया। स्थानीय संघ के सचित सैम्यूल फ्रांसिस के सन्निध्य में शिविर का आयोजन किया गया। सी.ओ. गाइड विजय लक्ष्मी वर्मा एवं सी.ओ. स्काउट सुरेंद्र कुमार पांडे ने बच्चों को शिविर के महत्त्व के बारे में बताया। विभिन्न स्कूल के

स्काउटर व गाइडर ने भाग लिया। द विजन एकेडमी स्कूल से शिप्रा चतुर्वेदी, उमेश चंद्र पुरोहित, संत टेरेसा स्कूल से भगवती लाल पालीवाल, हर्ष राज अभिनव स्कूल से सुनील पालीवाल, एमएमवीएम स्कूल से, शारदा गाइडर, भारतीय गाइडर, शालिनी गाइडर, विशाल गुप्ता रोवर, दिव्यांश शर्मा आदि ने भाग लेकर शिविर को सफल बनाया।

- भारत स्काउट व गाइड, 53वां उदय ओपन रोवर क्रू भुवाणा, स्थानीय संघ बड़गांव द्वारा भुवाणा पीएचसी, उदयपुर में 42वें रक्तदान शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन विशेष रूप से रोवर लीडर सुरेश कुमार प्रजापत के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में किया गया था। इस महत्वपूर्ण आयोजन में मुख्य अतिथि विधायक ताराचंद जैन और ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा ने अपनी उपस्थिति से शिविर की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व सरपंच अनिल चित्तौड़ा ने की, जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग्राम पंचायत भुवाणा के सरपंच

मोहनलाल डांगी ने भी इस आयोजन की शोभा बढ़ाई। शिविर में भामाशाह प्रेम शंकर डांगी, गोपी लाल डांगी, शंकर लाल डांगी, गणेश लाल डांगी, रमेश प्रजापत, शंकर लाल प्रजापत, धर्मेश प्रजापत, राहुल मेनारिया, गौरी शंकर लोहार, सरवन व्यास, रोवर मुकेश कुमावत और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई और इस सामाजिक कार्य को समर्थन प्रदान किया।

इस रक्तदान शिविर में कुल 71 यूनिट रक्तदान हुआ, जिसमें स्थानीय समुदाय ने बड़े उत्साह और सेवा भाव से भाग लिया। आयोजन में रोवर जाग्रत लबाना, वीरेंद्र सिंह चुंडावत, कमल सिंह झाला, दिव्यांश बृजवानी, जिनेश सेन, प्रकाश जिरवाल, जितेन्द्र, राहुल प्रजापत और आजीवन सदस्य देवी लाल गमेती का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिन्होंने अपने अथक प्रयास और समर्पण से शिविर को सफल बनाया।

- राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय एमडी राजसमन्द में ''विश्व ओजोन दिवस'' के उपलक्ष्य में पोस्टर, क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता आयोजित कर बालक–बालिकाओं में पर्यावरण के प्रति जनजागृति हेतु राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल एवं भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ राजसमन्द के तत्वावधान में एक सराहनीय प्रयास किया गया। पंचायत शिक्षा अधिकारी ग्राम पंचायत एमडी के भानु कुमार वैष्णव ने बताया कि राजस्थान राज्य प्रदुषण नियंत्रण मण्डल राजसमन्द के क्षेत्रीय अधिकारी आशीष कुमार बोरासी के निर्देशन में बालक–बालिकाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति लाने हेतु स्थानीय विद्यालय में बालक–बालिकाओं में ओजोन परत के संरक्षण हेतु ज्ञानार्जन पैदा करने के दृष्टिकोण से

पोस्टर, क्विज एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बालक–बालिकाओं ने बढ–चढ़ कर हिस्सा लिया साथ ही विद्यालय के स्काउट गाइड बालक–बालिकाओं ने अपना दबदबा कायम करते हुए ढेर सारे ईनाम प्राप्त किए। विद्यालय की उप प्रधानाचार्य चन्द्र वन्दना कुमावत ने बताया कि समापन समारोह एवं पारितोषिक वितरण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्य भानु कुमार वैष्णव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में सहायक पर्यावरण अभियन्ता पुरुषोतम दास वैरागी, विशिष्ट अतिथि के रूप में कनिष्ठ पर्यावरण अभियन्ता सूर्यपाल लवानिया व कनिष्ठ पर्यावरण अभियन्ता अंजना कुमारी थी। स्थानीय संघ सचिव एवं वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि विश्व ओजोन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता, निबन्ध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर बालकृष्ण पालीवाल, सुनिल गोदारा, पुर्णिमा राजपूत, निशा जांगिड़, मंजु वैष्णव, लक्ष्मीलाल कुमावत, गोपाल कुमावत, किरण माहेश्वरी, चन्द्र वन्दना कुमावत आदि उपस्थित थे।

राज्य स्तरीय जनजाति स्काउट गाइड महोत्सव

पृष्ठ सं. 9 का शेष भाग

कलक्टर बांसवाड़ा श्री अभिषेक गोयल की गरिमामय उपस्थिति रही।

शिविर के चौथे दिन 22 सितम्बर को शिविर निरीक्षण के उपरान्त जन चेतना एवं नगर भ्रमण हेतु सभी संभागियों का प्रस्थान शिविर स्थल से हुआ। सिद्धी विनायक मन्दिर तलवाड़ा, त्रिपुरा सुन्दरी माताजी मन्दिर, माही डेम, साईं मन्दिर, कागदी पिकअप, भण्डारिया हनुमानजी, नूतन स्कूल ग्राउण्ड से जनचेतना रैली का प्रारम्भ करते हुए कुशलबाग मैदान जन चेतना रैली का समापन करते हुए सभी संभागियों की शिविर स्थल पर वापसी हुई। रात्रि में विशाल कैम्प फायर का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अति.संभागीय आयुक्त बांसवाड़ा श्री गौरव बजाज ने शिरकत की।

शिविर के पांचवे व अन्तिम दिन 23 सितम्बर को प्रातः प्रभात फेरी, सर्वधर्म प्रार्थना के पश्चात शिविर बाइंडअप निरीक्षण कर सामग्री यथा स्थान पर पहुंचाई गई।

समापन समारोह

समापन समारोह प्रातः 09.00 बजे से प्रारम्भ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक बांसवाड़ा श्री अर्जुन सिंह बामनिया ने शिरकत की। श्री अर्जुन सिंह बामनिया ने कहा कि अनुशासन का सही अर्थ बताती है ''स्काउटिंग''। स्काउट बालक अपने जीवन काल में समय की पाबन्दी और अनुशासन का महत्व सीखता है। साथ ही जनजाति क्षेत्र के किसी भी जिले के स्काउट गाइड रोवर रेंजर को किसी भी प्रकार की मदद की आवश्यकता हो, बेझिझक बताएं; हर संभव मदद करने का प्रयास करेंगे।

इसके उपरान्त 05 दिवसीय महोत्सव के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उच्च स्तर प्राप्त करने वाले जिलों एवं विद्यालयों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय स्काउट गाइड जनजाति महोत्सव के आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले जिला प्रशासन, स्टाफ तथा भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

दोपहर 11.15 बजे परम पिता परमेश्वर को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित करते हुए ध्वजावतरण एवं राष्ट्रगान के साथ शिविर का समापन हुआ।

रीजनल मिनी जंबूरी

दिनांक 20 से 26 नवंबर 2024 तक झुंझुनूं में होगी आयोजित

सहभागिता करने 13 राज्यों के स्काउट गाइड आएंगे झुंझुनूं

भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली एवं राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के निर्देशानुसार दिनांक 20 से 26 नवंबर 2024 तक स्काउट गाइड रीजनल मिनी जंबूरी का आयोजन शहीद कर्नल जे.पी. जानू राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान एवं स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू पर किया जाएगा। रीजनल मिनी जंबूरी के भव्य आयोजन हेतु जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय अधिकारियों एवं शिक्षा विभाग की बैठक ली, जिसमें आयोजन के भव्य एवं सफल संचालन हेतु आवश्यक निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि अन्य राज्यों के स्काउट्स गाइड्स झुंझुनू जिले की मधुर यादें यहां से लेकर जावें, ऐसा प्रयास हम सब को समन्वित प्रयासों से करना है। सभी अधिकारियों को समय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने बताया की रैली में सेंट्रल पश्चिम क्षेत्र के गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, दादरा एवं नगर हवेली, दमन एंड दीव, सेंट्रल रेलवे तथा सेंट्रल रीजन से छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे, साउथ ईस्टर्न रेलवे, वेस्टर्न सेंट्रल रेलवे के चयनित 2500 स्काउट्स गाइड्स सहभागिता करेंगे।

जंबूरी के दौरान झुंझुनूं में मिनी भारत का नक्शा साकार होगा। एडवेंचर, स्काउट गाइड की क्षमता, कौशल, सहयोग, सेवा भाव, शिविर जीवन, तकनीकी ज्ञान प्रदर्शन, साहसिक गतिविधियों, आत्मविश्वास, विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम, सांस्कृतिक आदान–प्रदान, झांकी प्रदर्शन एवं प्रतियोगिता की भावनाओं को विकसित करने के उद्देश्य से इस रीजनल मिनी जंबूरी का भव्य आयोजन किया जाएगा। जंबूरी के नोडल ऑफिसर अतिरिक्त जिला कलक्टर होंगे तथा उपखण्ड अधिकारी झुंझुनूं संयोजक होंगे।

बैठक के दौरान जिला कलक्टर को मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनुसुईया सिंह ने स्मृति चिन्ह एवं मनोज कुमार ढाका ने स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया तथा सी.ओ. स्काउट महेश कालावत ने जिला संरक्षक पद कार्यग्रहण की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर रामरतन सोकरिया, उपखण्ड अधिकारी हवाई सिंह, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनुसुईया सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी मनोज ढाका, सहायक निदेशक पर्यटन देवेंद्र चौधरी, खेल अधिकारी राजेश ओला, नगर परिषद आयुक्त अनीता खीचड़, आबकारी विभाग से राजेंद्र मीणा सहायक सूचना जनसंपर्क अधिकारी विकास चाहर, सी.ओ. गाइड सुभिता महला, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार डांगी, जिला रसद अधिकारी कपिल कुमार, जिला रसद अधिकारी कपिल झाझडिया, उमेश जालान, जिला परिवहन अधिकारी मखनलाल, अभिषेक चोपदार, लीडर ट्रेनर रामावतार सबलानिया सहित शिक्षा विभाग के समस्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

CELEBRATIONS DAYS : OCTOBER-NOVEMBER, 2024

02 October	:	Gandhi & Shashtri Jayanti
20 October	:	World Unity Day
31 October	:	National Unity Day
07 November	:	Scout/Guide Flag Day
14 November	:	National Children Day
26 November	:	World Environment Protection Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

हमारे महापुरुष

होमी जहाँगीर भाभा

आर्कीटेक्ट ऑफ इंडियन एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम

विश्व में अग्रणी भूमिका निभाने की आकांक्षा रखने वाला कोई भी देश शुद्ध अथवा दीर्घकालीन अनुसंधान की उपेक्षा नहीं कर सकता।

– होमी जे. भाभा

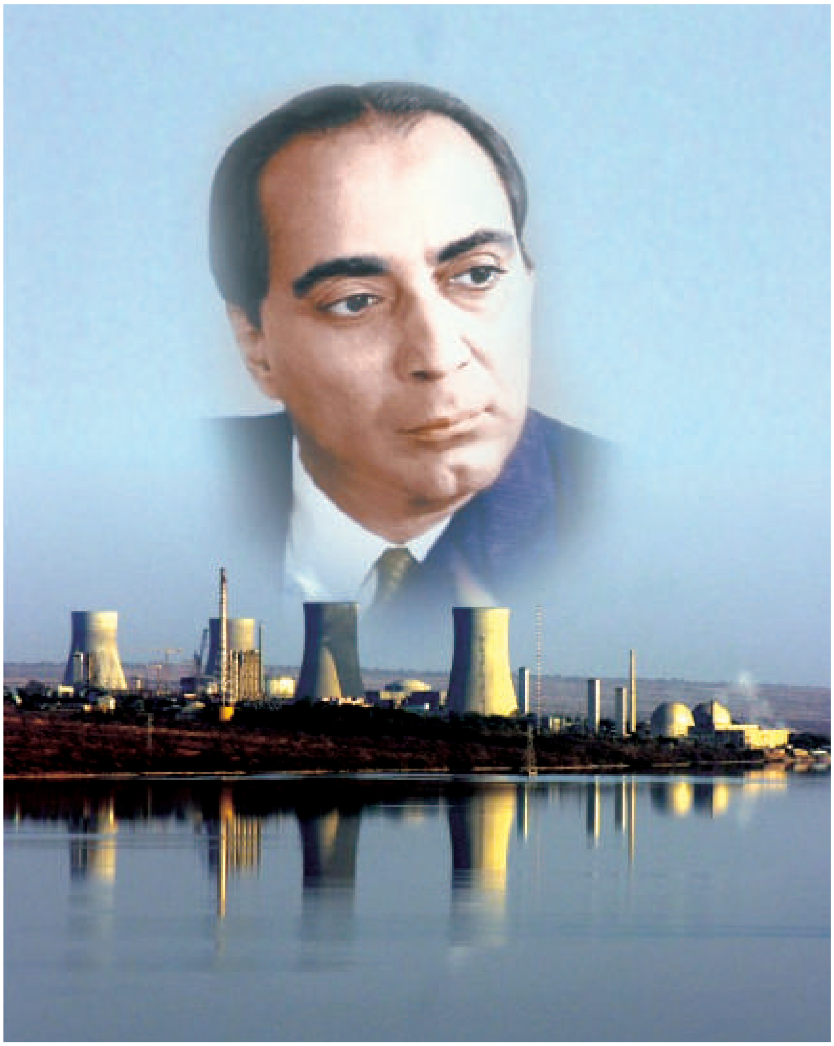

वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा एक महान स्वप्नदृष्टा थे और उन्होंने देश के परमाणु कार्यक्रम के भावी स्वरूप की ऐसी मजबूत नींव रखी, जिसके चलते भारत आज विश्व के प्रमुख परमाणु सम्पन्न देशों की कतार में पूरी शान से खड़ा है। भाभा ने कुछ वैज्ञानिकों की मदद से 1944 में भारत में परमाणु क्षेत्र में अनुसंधान का कार्य शुरू किया। उन्होंने समय से पहले ही परमाणु ऊर्जा की असीम क्षमता और विभिन्न क्षेत्रों में उसके उपयोग की संभावनाओं को परख लिया था।

भाभा ने नाभिकीय विज्ञान में तब कार्य आरम्भ किया जब अविछिन्न श्रंखला अभिक्रिया का ज्ञान नहीं के बराबर था और नाभिकीय ऊर्जा से विद्युत उत्पादन की कल्पना को कोई मानने को तैयार नहीं था। उन्हें 'आर्कीटेक्ट ऑफ इंडियन एटॉमिक एनर्जी प्रोग्राम' भी कहा जाता है।

यह भाभा की दूरदृष्टि ही थी कि भारत में परमाणु अनुसंधान कार्यक्रम उस समय शुरू हुआ जब ऑटो हान और फ्रिटज स्ट्रासमैन जैसे महान वैज्ञानिक नाभिकीय विखण्डन के चमत्कार की खोज कर ही रहे थे। उस समय बाहरी दुनिया को नाभिकीय विखंडन एवं इससे संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में न के बराबर जानकारी थी।

हालाँकि दूसरे विश्व युद्ध की एक छोटी सी घटना ने भारत के विज्ञान जगत खासकर परमाणु कार्यक्रम की दिशा बदल दी। यह संयोग ही था कि प्रसिद्ध वैज्ञानिक होमी जहाँगीर भाभा कैम्ब्रिज नहीं लौट सके और भारत में भौतिकी क्षेत्र को समृद्ध करने में योगदान दिया। घटना वर्ष 1939 की है जब देश के परमाणु कार्यक्रमों के जनक भाभा कैम्ब्रिज में शोध कर रहे थे और वह कुछ दिनों की छुट्टी पर भारत आए थे। उसी दौरान दूसरा विश्व युद्ध शुरू हो गया और उनका लौटना टल गया। इसी दौरान वह बैंगलूर के इंडियन स्कूल ऑफ साइंस से जुड़ गए। इस संस्थान के प्रमुख नोबेल पुरस्कार से सम्मानित सी.वी.रमन थे।

यहाँ से भाभा का एक नया सफर शुरू हुआ जिसके साथ वह अंतिम समय तक देश के लिए विज्ञान की सेवा में लगे रहे। वह भौतिकी विभाग में रीडर नियुक्त हुए। भाभा को 1944 में प्रोफेसर बना दिया गया। इस दौरान कुछ समय तक विक्रम साराभाई भी संस्थान से जुड़े रहे।

इंडियन स्कूल ऑफ साइंस में उनके नेतृत्व में कॉस्मिक किरणों पर शोध

किया गया। उस समय भारत में इस दिशा में मौलिक शोध के लिए बहुत सहूलियतें नहीं थी। इसे देखते हुए उन्होंने संस्थान में कॉस्मिक किरण शोध इकाई की स्थापना की।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद भाभा ने इंग्लैण्ड लौटने की इच्छा त्याग दी और पूरा समय देश में विज्ञान के प्रसार में लगाने का फैसला किया। भारत को परमाणु शक्ति बनाने के मिशन में प्रथम पग के तौर पर उन्होंने 1945 में जेआरडी टाटा के सहयोग से मूलभूत विज्ञान में उत्कृष्टता के केन्द्र टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च की स्थापना की। इसके बाद उन्होंने भारतीय परमाणु ऊर्जा आयोग की स्थापना की और अन्तर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व किया। इसके अलावा वह कई प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख रहे। भारत सरकार द्वारा गठित परमाणु ऊर्जा आयोग के प्रथम अध्यक्ष भाभा नियुक्त हुए।

30 अक्टूबर, 1909 को एक मशहूर एवं सम्पन्न पारसी परिवार में पैदा हुए भाभा बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के थे। उनके परिवार वाले उन्हें कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से इंजीनियर बनाना चाहते थे ताकि वह लौटकर जमशेदपुर की टिस्को में काम कर सकें। लेकिन उनकी रूचि इंजीनियरिंग की पढ़ाई में नहीं थी। उनका मन गणित और भौतिकी में लगता था।

परमाणु एवं विभिन्न क्षेत्रों में देश की प्रगति के लिए प्रयासरत भाभा की 24 जनवरी, 1966 में जिनेवा जाते समय विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हुई थी। माऊंटेन मॉ ब्लंक जैसे अतिसुंदर, धवलशुभ्र हिमशिखरों की गोदी में डॉ. भाभा हमेशा के लिए खो गए।

30 अक्टूबर, 1909 को जन्में इस दूरदर्शी वैज्ञानिक ने केवल 57 वर्ष के छोटे से जीवन काल में जितना कार्य किया, उतना शायद कोई महामानव ही कर सकता है। डॉ. भाभा एक महान स्वप्नदृष्टा प्रबंधक, संस्था संस्थापक, सौंदर्य प्रेमी तथा प्रकृति प्रेमी वैज्ञानिक थे।

कला, साहित्य तथा संगीत में उनकी रूचि बचपन से ही थी। उनके लिए कला भी उतनी ही महत्वपूर्ण थी जितना की गणित तथा भौतिक विज्ञान। शास्त्रीय तथा पाश्चात्य संगीत से उन्हें बेहद लगाव था। डॉ. भाभा वास्तुकला तथा भूसुदर्शनीकरण में भी वे अत्यंत रूचि रखते थे। बगीचों से उन्हें बेहद लगाव था।

उत्कृष्ट दर्जे के वैज्ञानिक संशोधन का बीज डालने का कठिन सपना उन्होंने देखा और सरकारी दायरे में रहकर उस बीज का वटवृक्ष होते हुए देखा। यह समाज के लिए उनकी सबसे बड़ी देन है। डॉ. भाभा के प्रेरणादायी नेतृत्व की वजह से परमाणु ऊर्जा विभाग ने कृषि, चिकित्सा, उद्योग आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल की जिसका फायदा आम जनता को भी मिल रहा है।

मेरा विवाह रचनात्मकता से हो चुका है।

– होमी जे. भाभा

हमारा स्वास्थ्य

ध्यान से साधें भावनाओं की डोर!

ऐसा प्रायः देखा जाता है कि जब कभी भी हम हतोत्साहित होते हैं तब हम स्वयं को ऊर्जाहीन अनुभव करते हैं तब हमें ये लगता है की काश कोई ऐसा हो जो हमको इस स्थिति से बाहर लेकर आये और पुनः पहले की तरह जोश से भर दे।

ऐसे में यदि कोई हमें प्रेरणा देता है तो ऐसा लगता है जैसे किसी ने हमारे अंदर नयी प्राण शक्ति फूंक दी हो और हम रातों रात खुद को रूपांतरित करने के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन जैसा कि अक्सर देखा भी गया है कि इसका असर एक–दो दिन तक ही रहता है और जीवन की गाड़ी पुनः उसी पटरी पर वापस आ जाती है।

ऐसा बार–बार और कभी–कभी तो जीवन भर होता ही रहता है, इसको कहते हैं बाह्य प्रेरणा जोकि बहुत कम समय के लिए ही कारगर सिद्ध हो पाती है। एक बात तो बिलकुल स्पष्ट है कि हम सभी मानव शरीरधारी हैं जिसके फलस्वरूप हमारे अंदर भावनाएं भी हैं तो स्वभावतः कभी हम खुश होंगे, ऊर्जा और जोश से लबरेज़ होंगे तो कभी हम दुःख और निराशा से भी घिरे होंगे। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है इससे हमें ज्यादा फ़र्क़ पड़ना भी नहीं चाहिए। हाँ, दिक्कत तब बड़ी हो जाती है जब हम दोनों में से किसी भी भावना के गहरे समुद्र में उतर जाते है जैसे कि जहाँ पर खुशी जैसी कोई बात न हो वहां भी खुश दिखाई देना या फिर खुशी के अवसरों में भी उदास मालूम पड़ना।

यदि ये उदासी और निराशा लम्बे समय तक बनी रहे तो इसको ही अवसाद या फिर डिप्रेशन का नाम दे दिया जाता है इसीलिए कहा भी गया है "अति सर्वत्र वर्जयेत" अति किसी भी चीज़ की अच्छी नहीं होती। क्योंकि बाद में ये किसी दूसरी गम्भीर समस्या का कारण बन सकती है इसलिए हमें भावनाओं को चाहें वो अच्छी हों या बुरी तटस्थ होकर लेना चाहिए जैसा की महामना विदुर जी ने राजा धृतराष्ट्र से महाभारत के उद्योग पर्व में विदुर नीति के अंतर्गत कहा है:

सुखं च दुःखं च भवाभावौ च
लाभालाभौ मरणं जीवितं च।
पर्यायशः सर्वमिते स्पृशन्ति तस्माद
धीरो न च हृष्येन्न शोचेत।।४.४७।।

इसका अर्थ है की सुख–दुख, उत्पत्ति– विनाश, लाभ–हानि और जीवन–मरण ये बारी–बारी से सबको प्राप्त होते रहते हैं इसलिए धीर पुरुष को इनके लिए हर्ष और शोक नहीं करना चाहिए।

भावनाओं का सीधा सम्बन्ध हमारे विचारों से है और जिसके विचार जितने संयमित और सकारात्मक होंगे वो उतना ही ज्यादा शांत होगा और विचारो को संयमित करने की विधि है "ध्यान", ध्यान से हम अपनी स्वांसों से जुड़ जाते हैं जिससे विचारों का प्रवाह थमने लगता है और हम तटस्थता की स्थिति प्राप्त कर लेते हैं जिसे भगवान् श्रीष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में स्थितप्रज्ञ की अवस्था कहा है।

इसलिए हमें ध्यान के माध्यम से स्थितप्रज्ञ होने का प्रयत्न करना चाहिए। यही वह अवस्था है जो हमें आतंरिक प्रेरणा देगी जिसका असर दीर्घकाल तक बना रहेगा।

साभार – www.achhikhabar.com

भावनाओं का सीधा सम्बन्ध हमारे विचारों से है और जिसके विचार जितने संयमित और सकारात्मक होंगे वो उतना ही ज्यादा शांत होगा और विचारो को संयमित करने की विधि है "ध्यान", ध्यान से हम अपनी स्वांसों से जुड़ जाते हैं जिससे विचारों का प्रवाह थमने लगता है और हम तटस्थता की स्थिति प्राप्त कर लेते हैं जिसे भगवान् श्रीष्ण ने श्रीमद्भगवद गीता में स्थितप्रज्ञ की अवस्था कहा है।

पर्यटन स्थल

विश्व की प्रमुख धरोहर

जंतर मंतर

–स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

जंतर मंतर का अर्थ है यंत्र और मंत्र। अर्थात ऐसे खगोलीय सूत्र जिन्हें यंत्रों के माध्यम से ज्ञात किया जाता है। देश में पाँच जंतर मंतर वेधशालाएं हैं और सभी का निर्माण जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने कराया था। जयपुर के अलावा अन्य वेधशालाएं दिल्ली, वाराणसी, उज्जैन और मथुरा में स्थित हैं। इन सब में सिर्फ जयपुर और दिल्ली की वेधशालाएं ही ठीक अवस्था में हैं, शेष जीर्ण शीर्ण हो चुकी हैं। ये वेधशालाएं प्राचीन खगोलीय यंत्रों और जटिल गणितीय संरचनाओं के माध्यम से ज्योतिषीय और खगोलीय घटनाओं का विश्लेषण और सटीक भविष्यवाणी करने के लिए प्रयोगशाला की तरह काम आती थी।

यूनेस्को ने जयपुर के जंतर–मंतर को विश्व धरोहर सूची में शामिल किया है।

राजस्थान की राजधानी पिंकसिटी जयपुर के राजमहल सिटी पैलेस परिसर में जंतर–मंतर वेधशाला स्थित है। जंतर मंतर का प्रवेश द्वार सिटी पैलेस के वीरेन्द्र पोल के नजदीक से है। जंतर–मंतर के चारों ओर जयपुर के सबसे अधिक विजिट किए जाने वाले पर्यटन स्थल हैं। इनमें चंद्रमहल यानि सिटी पैलेस, ईसरलाट, गोविंददेवजी मंदिर, हवा महल आदि स्मारक शामिल हैं। विश्व धरोहर की सूची में शामिल किए जाने की घोषणा के बाद से यहां स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन काफी बढ गया है।

जयपुर के शाही महल चंद्रमहल के दक्षिणी–पश्चिमी सिरे पर मध्यकाल की बनी वेधशाला को जंतर–मंतर के नाम से जाना जाता है। पौने तीन सौ साल से भी अधिक समय से यह इमारत जयपुर की शान में चार चाँद लगाए हुए है।

दुनियाभर में मशहूर इस अप्रतिम वेधशाला का निर्माण जयपुर के संस्थापक महाराजा सवाई जयसिंह ने अपनी देखरेख में कराया था। सन 1734 में यह वेधशाला बनकर तैयार हुई।

कई प्रतिभाओं के धनी महाराजा सवाई जयसिंह एक बहादुर योद्धा और मुगल सेनापति होने के साथ साथ खगोल विज्ञान में गहरी रूचि भी रखते थे। वे स्वयं एक कुशल खगोल वैज्ञानिक थे। जिसका प्रमाण है जंतर–मंतर में स्थित 'जय प्रकाश यंत्र' जिनके आविष्कारक स्वयं महाराजा जयसिंह थे। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पुस्तक 'भारत एक खोज' में इन वेधशालाओं का जिक्र करते हुए लिखा है कि महाराजा सवाई जयसिंह ने जयपुर में वेधशाला के निर्माण से पहले विश्व के कई देशों में अपने सांस्तिक दूत भेजकर वहां से खगोल विज्ञान के प्राचीन और महत्वपूर्ण ग्रन्थों की पांडुलिपियां मंगाई। उन्हें पोथीखाने में संरक्षित कर अध्ययन के लिए उनका अनुवाद कराया।

उल्लेखनीय है संपूर्ण जानकारी जुटाने के बाद ही महाराजा ने जयपुर सहित दिल्ली, मथुरा, उज्जैन और वाराणसी में वेधशालाएं बनवाई। लेकिन सभी वेधशालाओं में जयपुर की वेधशाला सबसे विशाल है और यहाँ के यंत्र और शिल्प भी बेजोड़ है। महाराजा सवाई जयसिंह द्वारा बनवाई गई इन पांच वेधशालाओं में से सिर्फ जयपुर और दिल्ली की वेधशालाएं ही अपना अस्तित्व बचाने में कामयाब रही हैं। शेष वेधशालाएं जीर्ण शीर्ण हो चुकी हैं।

यह वेधशाला सन 1728 में में जयपुर के तात्कालीन महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा स्थापित कराई गई थी। उनके मन में सन 1718 से ही ज्योतिष संबंधी वेधशाला के निर्माण का विचार उत्पन्न हुआ। इस निमित्त उन्होंने ज्योतिष संबंधी विविध ग्रंथों का अध्ययन किया और विभिन्न भाषाओं में लिखे गणितीय ज्योतिष का संस्त भाषा में अनुवाद संशोधन सहित विभिन्न भाषाओं के ज्ञाता मराठा ब्राह्मण पंडित जगन्नाथ सम्राट द्वारा करवाया। श्रीमाली पंडित केवलरामजी से गणित ज्योतिष संबंधी सारणियों का निर्माण कराया। ये दोनों विभिन्न भाषाओं के विद्वान थे। उनका इस कार्य में पूर्ण सहयोग रहा था। इसके अलावा महाराजा जयसिंह ने अरब ब्रिटेन यूरोप व पुर्तगाल आदि अनेक देशों में अनेक विद्वानों को भेजकर वहां के ज्योतिष संबंधी ग्रंथों का सारभूत अध्ययन कराया इस प्रकार 6 वर्षों तक निरंतर अनुशीलन और अनुसंधान करने के बाद सन 1724 में पहली वेधशाला दिल्ली में स्थापित की गई। कई वर्षों तक ग्रह नक्षत्रों और वेद आदि के अध्ययन में पूर्ण सफलता प्राप्त करने के बाद भारत के चार अन्य स्थानों जयपुर, उज्जैन, बनारस और मथुरा में वेधशालाएं स्थापित की गई। इन सबमें जयपुर की यह वेधशाला सबसे महत्वपूर्ण है। जीर्णोद्धार 1901 में महाराजा सवाई माधोसिंह के समय में पं चंद्रधर गुलेरी और पंडित गोकुलचंद के सहयोग से संगमरमर के पत्थरों पर किया गया इससे पूर्व यह वेधशाला चूने और पत्थर से बनी हुई थी। कालान्तर में इस विषय के प्रकांड विद्वान पं केदारनाथजी इस वेधाशाला में वेध आदि का कार्य सम्यक रूप से करते रहे। यहां के षष्ठांस यंत्र का जीर्णोद्धार भी इन्होंने ही कराया, इसके अलावा यहां और दिल्ली की वेधशाला में भी इन्होंने जीर्णोद्धार कराए। जयपुर की यह वेधशाला देश की अन्य वेधशालाओं में सबसे सुरक्षित धरोहरों में से एक है।

विश्व धरोहर : यूनेस्को ने 1 अगस्त 2010 को जयपुर के जंतर–मंतर सहित दुनिया के 7 स्मारकों को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की घोषणा की है। ब्राजील की राजधानी ब्राजीलिया में वर्ल्ड हैरिटेज कमेटी के 34वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में इस वेधशाला को विश्व विरासत स्मारक की श्रेणी में शामिल कर लिया गया।

जंतर मंतर को विश्व विरासत की श्रेणी में लेने के पीछे कई ठोस कारण हैं। इनमें यहां के सभी प्राचीन यंत्रों का ठीक अवस्था में होना और इन यंत्रों के माध्यम से आज भी मौसम, स्थानीय समय, ग्रह–नक्षत्रों, ग्रहण आदि खगोलीय घटनाओं की सटीक गणना संभव होना आदि प्रमुख कारण हैं।

यूनेस्को ने 282 वर्ष पहले लकड़ी, चूना, पत्थर और धातु से निर्मित यंत्रों के माध्यम से खगोलीय घटनाओं के अध्ययन की इस भारतीय विद्या को अद्भुत मानकर इसे विश्व धरोहर में शामिल करने पर विचार किया। इन यंत्रों की खास बात यह है कि इनकी गणना के आधार पर आज भी स्थानीय पंचांगों का प्रकाशन होता है। साथ ही हर साल आषाढ पूर्णिमा को खगोल शास्त्रियों और ज्योतिषियों द्वारा यहां पवन धारणा के माध्यम से वर्षा की भविष्यवाणी की जाती है।

जंतर मंतर में सम्राट यंत्र सबसे विशाल और आकर्षक यंत्र है, सतह से इस यंत्र की ऊंचाई 90 फीट है और यह यंत्र स्थानीय समय की सटीक जानकारी देता है। जिस तरह एक राज्य में सबसे ऊँचा ओहदा सम्राट का होता है उसी प्रकार जंतर मंतर में सबसे विशाल यंत्र सम्राट यंत्र है। अपनी भव्यता और विशालता के कारण ही इसे सम्राट यंत्र कहा गया। जंतर मंतर परिसर के बीच स्थित सम्राट यंत्र दक्षिण से उत्तर की ओर बढ़ती एक त्रिकोणीय प्राचीर है। यंत्र की भव्यता का अंदाजा इसी से हो जाता है कि धरातल से इसके शीर्ष की ऊंचाई 90 फीट है। सम्राट यंत्र में शीर्ष पर एक छतरी भी बनी हुई है। सामने से देखने पर यह एक सीधी खड़ी इमारत की तरह नजर आता है। यह यंत्र ग्रह नक्षत्रों की क्रांति, विषुवांश और समय ज्ञान के लिए स्थापित किया गया था। यंत्र का जीर्णोद्धार 1901 में राजज्योतिषी गोकुलचंद भावन ने कराया था।

उन्नतांश यंत्र, दक्षिणोदक भित्ति यंत्र, दिशा यंत्र, षष्ठांश यंत्र, जयप्रकाश यंत्र, नाड़ीवलय यंत्र, ध्रुवदर्शक, पट्टिका, लघु सम्राट यंत्र, राशि वलय यंत्र, चक्र यंत्र, रामयंत्र, दिगंश यंत्र सहित जयपुर के जंतर मंतर में कुल 16 खगोलीय यंत्र हैं, जिनके माध्यम से सभी तरह की आकाशीय गतिविधियों की सटीक गणना की जा सकती है। ये यंत्र आज भी अनेक प्रकार की खगोलिय, ज्योतिषीय, राशिचक्र, मौसम, तारों, दिशाओं आदि की गणना में सटीक जानकारी प्रदान करने में सक्षम हैं। इनके अलावा यहाँ महत्वपूर्ण ज्योतिषीय गणनाओं और खगोलीय अंकन के लिए क्रांतिवृत यंत्र, यंत्र राज आदि यंत्रों का भी प्रयोग किया जाता रहा था।

उल्लेखनीय है कि यूनेस्को ने जंतर मंतर को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की घोषणा के पीछे इसकी अनेक विशिष्टताओं पर गौर किया है। पर्यटकों को अधिक संख्या में आकर्षित करने के लिए हर शाम साढ़े 7 बजे से आधे घंटे का लाईट और साउंड शो भी आयोजित किया जा रहा है। प्रत्येक यंत्र की जानकारी देने के लिए ऑडियो गाईड भी उपलब्ध कराए गए हैं।

जंतर मंतर जयपुर की ही नहीं बल्कि विश्व की प्रमुख धरोहरों में से एक है। यह न केवल पर्यटन के लिहाज से बेहतर है बल्कि ज्योतिष शास्त्रीय गणनाओं की जानकारी बढाने में भी सहायक हैं। सच्चे अर्थों में जंतर मंतर एक ऐतिहासिक मिसाल है।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में **'आरोही' एवं 'पर्यटक/यात्री'** दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

आरोही
CLIMBER

प्रत्येक स्काउट को जीवन में विकट एवं दुर्गम स्थलों पर जाना पड़ सकता है, जहाँ जाने, पहुंचने, चलने आदि के लिए उस स्थान एवं आने वाली समस्याओं व कठिनाइयों का विशेष ज्ञान की आवश्यकता रहती है, इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए **आरोही दक्षता बैज** का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। इस दक्षता बैज के लिए निम्नानुसार पाठ्यक्रम पूर्ण करना आवश्यक है –

1. 14 वर्ष की उम्र पूरी कर ली हो।
2. कम से कम 2 कि.मी. की परिधि में पर्वतीय क्षेत्र के बारे में जानकारी रखे और आपातकालीन स्थिति के लिए नजदीकी दूरभाष एवं चिकित्सक की जानकारी हो।
3. भारतीय सर्वेक्षण मानचित्र या कम्पास का उपयोग करके पर्वतीय क्षेत्र में बताए गए स्थान का रास्ता खोज सके और आरोहण की योग्यता का प्रदर्शन करे।

4. हड्डी टूटने, हड्डी सरकने, कुचले जाने, आघात और सदमें का प्राथमिक उपचार करना जाने तथा रोगी को ले जाने की विधि की जानकारी रखे।
5. कम से कम 1200 मीटर ऊँचे किसी पहाड़ी क्षेत्र में न्यूनतम तीन दिन तक (लगातार आवश्यक नहीं) हाइक या भ्रमण किया हो।
6. किसी मान्यता प्राप्त पाठ्य क्रम का ''रॉक क्लाइम्बिंग'' प्रमाण पत्र प्राप्त कर लिया हो।

पर्यटक/यात्री
HIKER

पर्यटन मनुष्य के जीवन का मुख्य आयाम है। स्काउटिंग में हाइक एवं यात्रा का विशेष महत्व है और इसका अहम हिस्सा है। पर्यटन/यात्रा को निर्बाध कैसे पूरा किया जा सकता हैं, के बारे में जानना लाभकारी रहता है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए **पर्यटक/यात्री दक्षता बैज** का पाठ्यक्रम निम्नानुसार निर्धारित किया गया है।

1. 160 कि.मी. (100 मील) की एक लगातार हाइक करें या 40–40 कि.मी. (25–25 मील) की अलग अलग मार्गों पर 4 हाइक करें तथा अपनी हाइक का विवरण प्रस्तुत करें। इस हाइक को पैदल या साइकिल द्वारा किया जा सकता है। इसमें कम से कम आधी दूरी पैदल होनी चाहिए।
2. निम्नलिखित की जानकारी रखे–
   1. चलते समय पैरों की सुरक्षा कैसे की जाती है।
   2. फफोलों से बचाव के उपाय।
   3. फफोले पड़ जाने पर उनका उपचार।
   4. हाइक के लिए जूतों की जो सुविधाजनक हों, की जानकारी।
   5. भीग जाने पर क्या करना चाहिए।

3. हाइक के समय उपयोगी सामान्य दवाइयाँ, उनकी मात्रा तथा प्रयोग करने की विधि की जानकारी।
4. कन्धों पर ले जाने के लिए सामान को ठीक ढंग से बांधने की जानकारी।
5. हाइक सम्बन्धी कोई वस्तु जैसे टेन्ट, स्लीपर बैग, कैम्प फायर के समय ओढ़ने का कम्बल, पीठू थैला (रकसैट) या कोई अन्य थैला अथवा अन्य कोई वस्तु बना सके जिसमें दैनिक भोजन या प्रसाधन सामग्री (स्नानादि से सम्बन्धित सामग्री) रखी जा सके, बनाए।

गतिविधि पञ्चांग

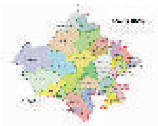

राज्य पञ्चांग

PROPOSED

नाम शिविर/गतिविधि	स्थान	तिथियां
प्रकृति अध्ययन शिविर	ग्रुप स्तर पर	04 से 06.10.2024
राज्य पुरस्कार स्काउट/गाइड अनुशंषा शिविर	जिला/मण्डल स्तर	14 से 16.10.2024
राज्य पुरस्कार रोवर/रेंजर अनुशंषा शिविर	मण्डल स्तर	17 से 19.10.2024
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत नं. 1	21 से 25.10.2024
दशहरा मेला सेवा शिविर	मण्डल कोटा	22 से 26.10.2024
रीजनल लेवल बाल महोत्सव (कब/बुलबुल)	बीकानेर	01 से 05.11.2024
भारत स्काउट/गाइड स्थापना दिवस	ग्रुप/स्था. संघ स्तर/सभी स्तर	07.11.2024
स्काउटर/गाइडर बेसिक कोर्स	जिला स्तर	08 से 14.11.2024
स्काउटर/गाइडर एंडवास कोर्स	मण्डल स्तर	08 से 14.11.2024
पुष्कर मेला सेवा शिविर	पुष्कर, अजमेर	11 से 15.11.2024 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.11.2024 तक
हिमालय वुड बैज कोर्स (स्काउट विंग)	कोटा	23 से 29.11.2024
हिमालय वुड बैज कोर्स (गाइड विंग)	जोधपुर	23 से 29.11.2024
कोलायत मेला सेवा शिविर	कोलायत, बीकानेर	25 से 27.11.2024 तक
द्वितीय/तृतीय सोपान स्काउट/गाइड जाँच शिविर	स्थानीय संघ स्तर पर	30.11.2024 तक
ग्रामीण रोवर/रेंजर निपुण प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2024 तक
निःशक्तजन स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2024 तक
अनाथालय स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	मण्डल स्तर पर	30.11.2024 तक
अनुसूचित जाति स्काउट/गाइड प्रशिक्षण शिविर	जिला स्तर पर	30.11.2024 तक

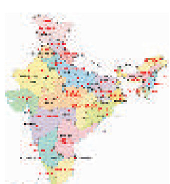

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
National Level Disaster Preparedness & Management Training On Accident, First Aid & Rescue	14 - 28 October, 2024	Thana, Maharashtra

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

Name of Camp/Activity	Date	Place
Course for Assistant Leader Trainer 2024	23 - 29 October, 2024	Sarawak, Malaysia
International Rover Week, Winter 2025	28 Dec., 2024-04 Jan., 2025	Kandersteg, Switzerland
26th Australian Jamboree (AJ2025)	06 - 15 January 2025	Maryborough in Queensland
16th World Scout Moot 2025	25 July - 03 August, 2025	Lisboa, Portugal
28th Asia-Pacific Regional Scout Conference	12 - 17 October, 2025	Kaohsiung, Taiwan

National Headquarters website : www.bsgindia.org

चित्र-विथिका

बड़ा गौरव का विषय है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड स्थानीय संघ शिव सिंहपुरा, जिला सीकर के सचिव श्री किशनलाल सियाक को बिरला ऑडिटोरियम, जयपुर में राज्य स्तर पर आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा एवं शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से नवाजा।

राज्य स्तरीय हिंदी दिवस समारोह के अवसर पर भारत स्काउट व गाइड, जयपुर की सी.ओ. एवं रेंजर्स उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी जी का स्कार्फ पहनाकर गार्ड ऑफ ऑनर द्वारा अभिनन्दन करती हुईं

जनजाति महोत्सव पर राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए
राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन जनजाति मंत्री श्री बाबूलाल खराड़ी, आयुक्त जनजाति प्रज्ञा केवलरमानी व
पुलिस महानिरीक्षक एस.परिमला को स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत करते हुए (नीचे)

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति रूपये पन्द्रह
प्रकाशन - प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/01835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com